

न्यूज गैलरी

हरिनारायण राय को हाइकोर्ट ने नहीं दी चुनाव लड़ने की अनुमति



रांची : झारखंड के पूर्व मंत्री और मनी लाँडिंग के आरोपी हरिनारायण राय को हाइकोर्ट ने चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी। झारखंड हाइकोर्ट ने हरिनारायण राय की याचिका को खारिज कर दिया। श्री राय ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर उनको मिली सजा पर रोक लगाने एवं चुनाव लड़ने की अनुमति देने की मांग की थी। कोर्ट ने उनकी याचिका को गुरुवार को सुनवाई के बाद खारिज कर दिया। मनी लाँडिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) की कोर्ट ने उन्हें सजा सुनायी है। उल्लेखनीय है कि पूर्व मंत्री हरिनारायण राय पर 4।33 करोड़ रुपये की मनी लाँडिंग का आरोप है।

शेष पेज 12 पर

फोर्टिस के पूर्व प्रमोटर मलविंदर सिंह को ईडी ने किया अरेस्ट



नई दिल्ली : फोर्टिस हेल्थकेयर और रैनबैक्स के पूर्व प्रमोटर मलविंदर सिंह को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। रेलिगेयर एंटरप्राइजेज के पूर्व सीएमडी सुनील गोधवानी की भी गिरफ्तारी हुई है। ईडी ने रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड (आरएफएल) में घोटाले के मामले में ये कार्रवाई की। ईडी मनी लाँडिंग की जांच कर रहा है। आरएफएल रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की सब्सिडियरी है। मलविंदर सिंह रेलिगेयर एंटरप्राइजेज के भी पूर्व प्रमोटर हैं। मलविंदर और गोधवानी रेलिगेयर फिनवेस्ट मामले में पहले से तिहाड़ जेल में हैं, जहां ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले अक्टूबर में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने दोनों को गिरफ्तार किया था।

शेष पेज 12 पर

गिरिडीह में 3 हजार रुपया रिश्तत लेते जनसेवक गिरफ्तार



गिरिडीह : प्रधानमंत्री आवास योजना में राशि आवंटित करने को लेकर घूसखोरी का मामला सामने आया है। मामले में कार्रवाई करते हुए धनबाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पंचायत सेवक राजू शाह को गिरफ्तार किया है। ब्यूरो द्वारा जारी बयान के मुताबिक उन्होंने राजू शाह को 3 हजार रुपया रिश्तत लेते हुए रोह्ताथ गिरफ्तार किया है। मामला गिरिडीह के पीरटॉड प्रखंड के खरपोका गांव का है। इस गांव के रहने वाले मो। तनवीर ने पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज करवायी थी। शिकायत के मुताबिक उनकी पत्नी अफसाना प्रवीण के नाम पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर आवंटित हुआ था।

शेष पेज 12 पर

सुदेश ने तोड़ा भाजपा से गठबंधन, बोले 26 सीट पर है हमारी तैयारी कांग्रेस नेता प्रदीप बलमुचु आजसू में शामिल

संवाददाता

रांची : ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी के सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने एक तरह से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ अपना गठबंधन तोड़ दिया है। भाजपा की 52 प्रत्याशियों की सूची जारी होने से पहले 17 सीट पर अपना प्रत्याशी उतारने की बात करने वाले सुदेश महतो ने गुरुवार को कहा कि उनकी दावेदारी 26 सीटों पर है। इन सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की उनकी तैयारी है।

हालांकि, सुदेश महतो ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह किन 26 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं।

इससे पहले झारखंड प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप बलमुचु सुदेश महतो की पार्टी ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) में शामिल हो गये। आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने पार्टी में उनका स्वागत किया। प्रदीप बलमुचु को आजसू पार्टी पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बना सकती है।

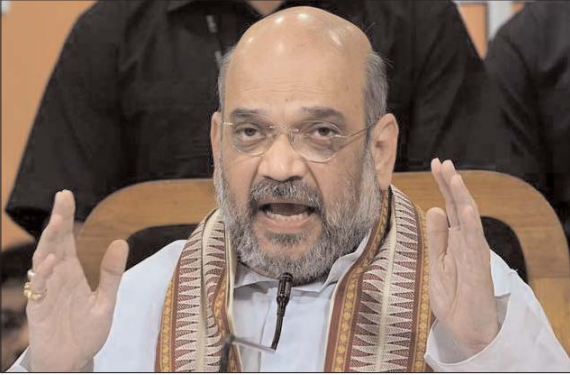
शेष पेज 12 पर



सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरकार की साख पर लगाई मुहर कांग्रेस मांगे माफ़ी : शाह

नई दिल्ली : कांग्रेस पार्टी ने पिछले कई चुनावों में राफेल लड़ाकू विमान डील में गड़बड़ी की बात कही, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राफेल मामले में पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज कर दिया है। इससे कांग्रेस पार्टी को करारा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कोर्ट ने आज मोदी सरकार की साख पर मुहर लगा दी है।

गृह मंत्री ने ट्वीट कर कहा, राफेल मामले में पुनर्विचार याचिका रद्द करने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला उन नेताओं व पार्टियों को उचित जवाब है, जो केंद्र



सरकार के खिलाफ विद्रोहपूर्ण व बेबुनियाद अभियान चलाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के आज के फैसले ने एक बार फिर मोदी सरकार की साख पर मुहर लगा दी है। मोदी सरकार भ्रष्टाचार मुक्त और

पारदर्शी है।

अमित शाह ने आगे लिखा, पूरे देश के सामने अब यह बात साबित हो गई है कि राफेल लड़ाकू विमान डील के नाम पर संसद नहीं चलने देना काफी शर्म

की बात है। संसद के इस वक्त का लोगों की भलाई के कामों के लिए इस्तेमाल हो सकता था, लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं होने दिया। अब कांग्रेस और देशहितों से ऊपर राजनीति करने वालों को जनता से माफी मांगनी चाहिए।

देश से कब माफी मांगेंगे राहुल गांधी : रविशंकर

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के राफेल पर फैसले के बाद रविशंकर प्रसाद ने भी कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और खुद राहुल गांधी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। राफेल विमान सौदे पर राहुल गांधी के

बयान पर आज यानी गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी माफी को मंजूर करते हुए उनके खिलाफ दायर मानहानि के केस को खारिज कर दिया। हालांकि, अब कोर्ट के फैसले के बाद भाजपा, कांग्रेस पर हमलावर दिख रही है। केंद्रीय मंत्री ने सबसे पहले ही अपने बात की शुरुआत इस बात से की कि कांग्रेस पार्टी औपचारिक रूप से देश से माफी मांगे और राहुल गांधी को भी देश से माफी मांगनी चाहिए। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से बचने के लिए तो राहुल गांधी ने माफी मांग ली है, लेकिन देश की जनता के सामने क्या करेंगे। उनसे माफी कब मांगेंगे?

राउंड टेबल पर जुटे कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी के नेता, कॉमन मिनिमम प्रोग्राम पर हुई चर्चा

नई दिल्ली : महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन को लेकर गुरुवार को कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी के नेताओं के बीच में एक बैठक चल रही है। इस बैठक में कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के तहत मुद्दों पर चर्चा हो रही है। इस बैठक में तीनों पार्टियों के नेता मौजूद हैं। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के अंतर्गत मुद्दों पर चर्चा के लिए एक कमेटी गठित की थी।

इधर शिवसेना ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लगाने की पटकथा पहले ही लिख दी गयी थी और उन्होंने राज्यपाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अब पार्टियों को सरकार बनाने के लिए छह महीने का समय दे दिया है।



पार्टी ने यह भी कहा कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस राष्ट्रपति शासन लगाए जाने पर मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं क्योंकि सत्ता अब भी परोक्ष रूप से भाजपा के हाथ में ही है।

शिवसेना को सरकार बनाने का दावा जताने के लिए महज 24 घंटे का वक्त दिए जाने तथा अतिरिक्त समय दिए जाने से इनकार करने पर राज्यपाल की आलोचना करते हुए शिवसेना ने

अपने मुखपत्र सामना में संपादकीय में कहा, ऐसा लग रहा है कि कोई अदृश्य शक्ति इस खेल को नियंत्रित कर रही है और उसके अनुसार फैसले लिए गए।

शेष पेज 12 पर

महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन पर ममता का निशाना

नई दिल्ली : बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन पर अपना बयान दिया। बनर्जी ने इसपर बात करते हुए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनकड़ को भी अपने लपेटे में ले लिया। बता दें कि बनर्जी राज्य के अधिकारियों के साथ धनकड़ की बैठकों के चलते पहले नाखुश हैं। ऐसे में जब ममता से महाराष्ट्र के सियासी संकट और राष्ट्रपति शासन पर सवाल किया गया तो वे बोलीं कि- मैं संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों पर जल्दी टिप्पणी नहीं करती। लेकिन कुछ लोग हैं जो



बीजेपी का मुखपत्र बन बैठे हैं। इसके बाद बनर्जी धनकड़ पर हमले से नहीं चूकीं और बोलीं कि- आप मेरे राज्य में ही देख लीजिए, क्या हो रहा है। यहां ये लोग एक समानांतर सरकार चलाने की कोशिश करते हैं। फेडरल स्ट्रक्चर का सम्मान होना चाहिए।

शेष पेज 12 पर

झारखंड स्थापना दिवस की तैयारी पूरी, सज-धज कर तैयार हुआ कार्यक्रम स्थल



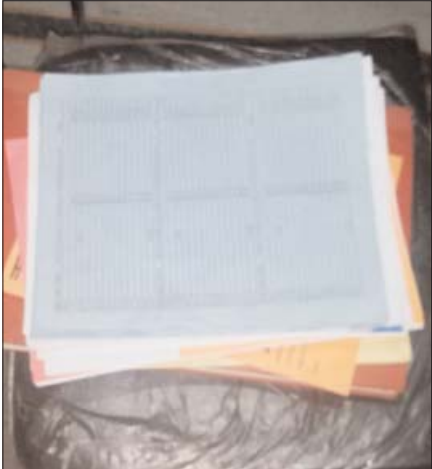
बेरोजगारों को घर बैठे पैसा कमाने का झांसा दे रही है कंपनी, पुलिस ने की छापामारी

अपराध संवाददाता

रांची : घर बैठे पैसे कमाने का झांसा देकर एमजी रोड से बेरोजगारों से करोड़ों की ठगी कर फरार होने वाली कंपनी स्मोक मल्टी प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के आरोपी अभी पकड़े भी नहीं गए थे कि इसी तर्ज पर हरमू में एक नई कंपनी स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड खुल गई। स्मोक मल्टी प्रोजेक्ट की तर्ज पर ही ये कंपनी भी बेरोजगार युवाओं को घर बैठे डाय इंड्री का काम देने के नाम पर रजिस्ट्रेशन शुल्क देने के नाम पर ठगी करने का काम कर रही है। गुरुवार को कुछ युवकों की शिकायत पर अरगोड़ा पुलिस ने हरमू में स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कार्यालय



पहुंची और वहां से काफी मात्रा में डाय इंड्री करने के कागजात, कंपनी के रजिस्ट्रेशन का फार्म सहित अन्य कई रसीद जब्त किए। कंपनी के कार्यालय से



अरगोड़ा पुलिस वहां के कई कर्मचारियों को भी पकड़ थाने लेकर पहुंची। जिन्हें फिलहाल पुलिस ने पृच्छाछ के बाद पीआर बांड पर थाने से छोड़ दिया है।

15 सौ रुपए लिए जा रहे है रजिस्ट्रेशन के नाम पर : अगस्त में एमजी रोड स्थित शर्मा लेन से करोड़ों की ठगी कर फरार हुई कंपनी स्मोक मल्टी प्रोजेक्ट

हरमू में खुली कंपनी स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रजिस्ट्रेशन के नाम पर 15 सौ रुपए बेरोजगार युवाओं से ले रही है। 150 पेज डाय इंड्री करने पर सप्ताह में 45 सौ रुपए कमाने का झांसा दे रही है। कंपनी द्वारा एग्रीमेंट कराया जा रहा है कि अगर 79 फीसदी से कम काम काम होता है तो एक रूपए भी पेमेंट नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही उनका रजिस्ट्रेशन शुल्क भी वापस नहीं होगा।

मामले की हो रही है जांच-थानेदार : इधर कंपनी के कागजात जब्त करने व पीआर बांड पर कर्मचारियों को छोड़े जाने के बाद अरगोड़ा थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

परिजनों ने बच्चों को छुड़ाने की अर्जुन मुंडा से लगायी गुहार



वरीय संवाददाता

रांची : नेपाल घूमने निकले खूंटी के आठ बच्चों की वापसी नहीं हो पायी है। सभी बच्चों को नेपाल पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। बच्चों की सकुशल वापसी नहीं होने से परिजन काफी चिंतित हैं। इसे लेकर गुरुवार को बच्चों के परिजनों ने रांची एयरपोर्ट पर खूंटी के सांसद व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा से मुलाकात कर बच्चों की वापसी को लेकर गुहार लगाते पहुंचे थे।

परिजनों ने सांसद अर्जुन मुंडा से पहल करने की गुहार लगाते हुये कहा कि वह सभी पिछले सात दिनों से बच्चों की सुरक्षा को लेकर काफी चिंता में हैं। सभी बच्चें नेपाल घुमने गये थे लेकिन गलत रास्ता में जाने के कारण

सुधा डेयरी लूटकांड का खुलासा, एक गिरफ्तार

अपराध संवाददाता

रांची : अरगोड़ा थाना अंतर्गत सुधा डेयरी लूटकांड का खुलासा करने में पुलिस ने सफलता हासिल की है। इस घटना में शामिल एक आरोपी अभिषेक कुमार सिंह उर्फ चंकी को पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। वहीं घटना में शामिल एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिये पुलिस छापामारी कर रही है।

इस संबंध में अरगोड़ा थाना के इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि 17 सितंबर की रात हरमू रोड स्थित सुधा डेयरी में दो अपराधियों ने धावा बोला था। इस दौरान दोनों अपराधियों ने डेयरी के संचालक विजेंद्र प्रसाद के साथ मारपीट कर काउंटर से करीब 15 हजार रुपये की लूटपाट की थी। इस दौरान दोनों अपराधियों की



तस्वीर सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई थी। जिसमें अनुसंधान के दौरान मिली गुप्त सूचना पर पुलिस ने घटना में शामिल अभिषेक कुमार

सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी अभियुक्त सुखदेव नगर अंतर्गत मधुकम, ऑडिट कॉलोनी का रहनेवाला है। पुलिस टीम में विनोद कुमार(इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी, अरगोड़ा), संजय कुमार(इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी,सुखदेव नगर), पुअिन कमलेश राय सहित अन्य पुलिसकर्मि शामिल थे।

सफेद रंग की स्कूटी से पहुंचे थे दोनों अपराधी

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हरमू रोड स्थित सुधा डेयरी में लूटपाट करने गये दोनों अपराधी सफेद रंग की एक्टिवा स्कूटी से पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस की गिरफ्त से बाहर अपराधी ने चाकू के उल्टे तरफ से डेयरी के संचालक विजेंद्र प्रसाद पर हमला किया था। पुलिस अब फरार अपराधी की तलाश में जुटी है।

जैप वन में आयोजित झारखंड पुलिस अलंकरण दिवस परेड समारोह में

60 पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को मिला सम्मान

अपराध संवाददाता

रांची : झारखंड स्थापना दिवस पर 60 पुलिस पदाधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। स्थापना दिवस पर आयोजित पुलिस अलंकरण समारोह में मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ने पुलिस वालों को राज्यपाल पदक, मुख्यमंत्री वीरता पदक और सराहनीय सेवा के लिए झारखंड पुलिस पदक से सम्मानित किया।

समारोह के मुख्य अतिथि राज्य के मुख्य सचिव डीके तिवारी और पुलिस महानिदेशक कमल नयन चौबे ने पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को मेडल प्रदान किये। इस अवसर पर पुलिस के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अलावा प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि 15 नवंबर, 2000 को बिहार से अलग होकर झारखंड राज्य अस्तित्व में आया था। प्रदेश के 19वें स्थापना दिवस पर हर साल पुलिस वालों को



सम्मानित किया जाता है।
तीन को राज्यपाल विशिष्ट सेवा पदक : विपुल शुक्ला (आइजी मुख्यालय), अरविंद कुमार (डीएसपी मुख्यालय, चाईबासा)



व अनिमेष कुमार गुप्ता (डीएसपी, सीआईडी)।
30 को मुख्यमंत्री वीरता पदक : विपुल पांडेय (एएसपी, लातेहार), नितिन खंडेलवाल

अशोक कुमार, याकूब सुरीन, मनीष राय, रितेन प्रधान, राजकुमार सिंह, सुमन क्षेत्री, पाताल हेन्ब्रम, चंदन कुमार, धनंजय कुमार, जोगेरा सुरीन, परमेश कुमार, राजू साहू, जगन्नाथ लकड़ा, पंकज तिकी व राजू कुमार रजक (सभी आरक्षी)।

27 को झारखंड पुलिस पदक : पंकज कंबोज (डीआईजी), ए। विजयालक्ष्मी (एसपी), नवल शर्मा (डीएसपी), इम्तेयाज अहमद, संजीव कुमार झा, रामायण मुर्मू, नरेश प्रधान व सत्येंद्र मिश्रा (सभी एसआई), लालमणी प्रजापति, राजेंद्र नाथ मुंडा, मनमन सिंह चापिया व सरयू प्रसाद (सभी एसआई), सर्वजीत कुमार व सिकंदर राम (दोनों हवलदार), धीरज दियाली, कुल बहादुर श्रेष्ठ, मीन बहादुर खत्री, धर्मे श तिकी, गोविंद राम, अलबिनस कच्छप, संतोष कुमार राय, आलोक कुमार रजक, बोवास होरो, संजीव कुमार मुंडा, रविकांत मिश्र, विक्रान्त शंकर झा व हैदर अली (सभी आरक्षी)।

चुनावी सरगर्मी

नीतीश-पीके, रामविलास-चिराग राबड़ी-तेजस्वी होंगे स्टार प्रचारक

रांची : विधानसभा चुनाव में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान, सांसद, चिराग पासवान जदयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रशांत किशोर, तेजस्वी यादव जैसे दिग्गज अपने-अपने दलों के प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करने आएंगे। विभिन्न दलों ने इन्हें अपने स्टार प्रचारक के रूप में तय किया है। झारखंड में भाजपा से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ रहे जदयू ने 20 स्टार प्रचारकों की सूची बनाई है। इनमें बिहार के मुख्यमंत्री सह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रशांत किशोर, लोकसभा सदस्य राजीव रंजन सिंह, राज्यसभा सदस्य आरसीपी सिंह, बिहार के मंत्री सह झारखंड प्रभारी रामसेवक सिंह, मंत्री संजय कुमार झा, झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष सालखन मुर्मू आदि के नाम शामिल हैं। राजद ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, पूर्व मंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, तेज प्रताप यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव मीसा भारती, रघुवंश प्रसाद सिंह सहित 40 नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया है। इसी तरह, लोजपा ने 20 स्टार प्रचारक बनाए हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान, सांसद चिराग पासवान आदि प्रमुख हैं। आजसू पार्टी ने 40 स्टार प्रचारक बनाए हैं। इनमें केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो, सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, मंत्री रामचंद्र सहिस, विधायक राजकिशोर महतो, पूर्व मंत्री उमाकांत रजक आदि प्रमुख हैं। वहीं, झारखंड मुक्ति मोर्चा ने 37 स्टार प्रचारक बनाए हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री शिवू सोरेन, कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन, पूर्व मंत्री स्टीफन मरांडी, चंपई सोरेन, हाजी हुसैन अंसारी, पूर्व स्पीकर शशंक शेखर भोक्ता आदि प्रमुख हैं। झारखंड पार्टी के 12 स्टार प्रचारक बनाए गए हैं। इनमें पूर्व मंत्री एनोस एक्का उनकी पत्नी मेनोन एक्का प्रमुख हैं।

संजीव सिंह को चुनाव लड़ने की अनुमति

धनबाद। पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह की हत्या के आरोप में 11 अप्रैल 2017 से धनबाद जेल में बंद झरिया के निवर्तमान विधायक संजीव सिंह को चुनाव लड़ने की अनुमति मिल गई है। संजीव सिंह की ओर से अधिवक्ता मो। जावेद ने अदालत से चुनाव लड़ने की अनुमति मांगी थी। अदालत ने संजीव के आवेदन पर 25 नवंबर को नामांकन दाखिल की अनुमति दे दी। एडीजे 14 आलोक कुमार दुबे ने जेल अधीक्षक को पत्र देकर नामांकन प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मुहैया कराने का आदेश दिया है। इसके अलावे अदालत ने संजीव के तरफ से अधिवक्ता जावेद से बाउंड मांगा है, ताकि विधि-व्यवस्था में समर्थकों द्वारा खलल न डाला जाए।

विष्णु भैया ने भाजपा से दिया इस्तीफा

जामताड़ा : विधानसभा चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने से नाराज जामताड़ा के पूर्व विधायक विष्णु प्रसाद भैया ने पार्टी छोड़ दी। विष्णु भैया ने मीडिया को बताया कि भाजपा को हराने के लिए वे स्वयं चुनावी मैदान में उतरेंगे या फिर किसी ऐसे व्यक्ति को चुनाव लड़ाएंगे, जो क्षेत्र का विकास दिन दुनी व रात चौगुनी करें। उन्होंने जामताड़ा से बाबूलाल मरांडी के चुनाव लड़ने के संकेत दिए। कहा कि एक-दो दिनों में इसका खुलासा हो जाएगा। विष्णु ने पार्टी छोड़ने से पहले जामताड़ा-दुमका रोड स्थित आवास में कार्यकर्ताओं से रायशुमारी की। कार्यकर्ताओं से कहा कि वे उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई काम नहीं करेंगे। कार्यकर्ता चाहेंगे तो चुनाव लड़ेंगे। पूर्व विधायक ने कहा कि उनकी इच्छा है कि जामताड़ा विधानसभा से कोई हैवीवेट नेता चुनाव लड़े, ताकि जामताड़ा का विकास रुके नहीं।

गौरव बल्लभ होंगे रघुवर दास के खिलाफ कांग्रेस के प्रत्याशी

रांची : कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और एक्सएलआरआई जमशेदपुर के प्रोफेसर गौरव बल्लभ मुख्यमंत्री के खिलाफ कांग्रेस के उम्मीदवार हो सकते हैं। झारखंड प्रदेश के कई सीनियर नेताओं ने उन्हें प्रत्याशी बनाने की मांग केंद्रीय नेतृत्व से की है। बल्लभ वही व्यक्ति हैं जिन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा से एक टीवी चैनल पर पूछ लिया था कि ट्रिलियन में कितने जीरो होते हैं और संबित तत्काल इसका जवाब नहीं दे सके थे। गौरव बल्लभ का राजनीतिक सफर बहुत लंबा नहीं है लेकिन उनकी योग्यता को देखते हुए कांग्रेस ने उन्हें राष्ट्रीय प्रवक्ता का पद दिया और इसे वे देखो भी निभा रहे हैं।

साथ लेते हुए चलना चाहिए । बाल्य काल बच्चों की जीवन का सर्वोत्तम समय होता है । यह समय जीवन में आगे बढ़ने और हर वक्त आगे बढ़ने का समय होता है इसलिए इस समय का प्रत्येक छात्र-छात्रा को आगे बढ़ने के लिए प्रयोग करना चाहिए । बाल दिवस के अवसर पर बच्चों ने अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - खो-खो, कबड्डी, चॉकलेट रेश, सेक रेश, चॉकलेट गेम आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें खो-खो में प्रथम स्थान कोशल एवं उसकी टीम को दी गई तथा कबड्डी में ब्लू हाउस की टीम प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।

विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर 150 लोगों की नि:शुल्क मधुमेह,वजन और रक्तचाप की हुई जांच

धनबाद । विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा के तरफ से धनबाद के बेकार बांध स्थित पार्क में मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। डायबिटीज वजन और ब्लड प्रेशर जांच की भी सुविधा लोगों को निशुल्क उपलब्ध कराई गई। मौके पर सैकड़ों की संख्या में मॉनिंग वाकरो ने निशुल्क जांच शिविर का लाभ उठया ।

वहीं मीडिया से बात करते हुए मारवाड़ी युवा मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि देशभर में मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा के तरफ से यह शिविर आयोजित की गई है इसी क्रम में धनबाद में शिविर आयोजित की गई है अगर लोगों का रिस्पांस आज अच्छा रहा तो प्रत्येक महीने इसे लगाने की व्यवस्था की जाएगी । साथ ही उन्होंने बताया कि मधुमेह इन दिनों भयावह रूप धारण कर चुका है। भारत में इसके मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है ऐसे में इसके प्रति जागरूकता एवं नियमित समय पर जांच ही

विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर शहर में निकाली गई जागरूकता रैली

धनबाद । डब्लू एच ओ के आह्वहन पर 14 नवम्बर विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर शहर में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में जीवन ज्योति स्कूल, रोटरी क्लब ,धनबाद स्कूली बच्चे, धनबाद क्लब , झारखण्ड डाइबिटिक आई सेंटर , चेम्बर के सदस्यों ने योगदान दिया। रैली के जरिये लोगो मे मधुमेह से बचाव का संदेश दिया। लोगो को बताया गया कि नियमित खानपान , पोस्टिक खाद पदार्थों का सेवन एवं नियमित व्यायाम से मधुमेह की बीमारी से बचा जा सकता है। जीवन ज्योति स्कूल से रैली निकलकर बेकारबाँध,सिटी सेंटर,होते हुए धनबाद क्लब में रैली को समापन कर। नुक़ड़ नाटक कर लोगो को जागरूक किया जायेगा ।

इससे बचाव का सबसे सरल उपाय है।

आचार संहिता समाप्त होते ही होगा चेंबर चुनाव

धनबाद । धनबाद जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स की आमसभा धनबाद के र्गुनियन क्लब में आयोजित की गई। प्रत्येक वर्ष आयोजित किए जाने वाले इस आमसभा में पुराने अध्यक्ष उपाध्यक्ष महासचिव एवं अन्य कार्यकारिणी के सदस्यों का यह अंतिम आम सभा थी और आज के आम सभा के बाद यह निर्णय लिया गया कि आचार संहिता समाप्त होते ही चेंबर में नए पदाधिकारियों का चुनाव कराया जाएगा और प्रयास किया जाएगा कि सभी चुनाव सर्वसम्मति से हो जाए लेकिन अगर सर्वसम्मति नहीं बन पाती है तो उस परिस्थिति में बैलेट से मतदान कराया जाएगा।

एसीबी के हत्थे चढ़ा घूसखोर जनसेवक, 3 हजार रुपये रिश्तत लेते गिरफ्तार

गिरिडीह : एक घूसखोर जनसेवक एसीबी के हत्थे चढ़ गया है। ये मामला गिरिडीह जिले के पीरटांड प्रखण्ड का है। यहां के खरपोका के राजू साव नामक जनसेवक ने एक लाभुक से प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर 3 हजार रुपये रिश्तत की मांग की थी।

इस बात की शिकायत लाभुक ने एसीबी से की। शिकायत की सत्यता प्रमाणित होने के बाद एसीबी ने डीएसपी की अगुवाई में अपना जाल बिछाया और आज राजू साव को शहर के बरागंज स्थित आवास से घूस लेते हुए रगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

करोड़ों की लागत से बन रहे कब्रिस्तान में जबरदस्त घोटाला



धनबाद/तोपचांची : राम मंदिर ,और झारखंड विधान सभा चुनाव में लोगों का ध्यान बंटा हुआ है, तो वहीं दूसरी ओर तोपचांची के हरिहरपुर,48 लाख , धाजा टांड,में 34 लाख और 11लाख, चितरपुर में 10 लाख कुल एक करोड़ 13 लाख रू लागत जिला कल्याण विभाग धनबाद के द्वारा किये जा रहे कब्रिस्तान चार दीवारी निर्माण कार्य जबरदस्त घोटाला किया जा रहा है ।

अधिकर्ता अपने घर की ईंट ,लोकल छड़ ,रद्दी बालू को जोड़ाई कार्य में लगा कर जैसे तैसे दीवार पर प्लास्टर कर, मद के राशि की लूट की जा रही है। पिछले कई माह निर्माण कार्य

एमजीडी प्लांट में चोरी करने का हुआ प्रयास

धनबाद/जोरापोखर। पुलिस पस्त चोर मस्त इसका उदहारण जोरापोखर के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट परिषर में देखने को मिल रहा है जहाँ पुलिस की लगातार नाकामी देखनां को मिल रही है लगातार प्लांट परिसर में चोरो की मौजूदगी से सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रही है जामाडोबा जल सयंत्र केंद्र वाटर बोर्ड के 9 एमजीडी प्लांट में बंद पड़े 288 एचपी के मोटर को रात्रि में चोर ने चोरी का किया प्रयास झमड़ा कर्मचारियों ने बताया की

रात्रि में 9 एम जीडी प्लांट परिसर में काफी अंधेरा होने के कारण चोर चोरी करने का प्रयास करते हैं वही ड्यूटी में तैनात कर्मियो ने बताया कि रात्रि में 2 लोगो को घूमते देखा गया था अंधेरा होने के कारण कुछ समझ नहीं आया वही चोर ने बन्द पड़े मोटर के अंदर के स्टेटर छीलकर देखा

नेताओं की सज रही है वादों की दुकान

मुकेश कुमार गोस्वामी

डोमचांच : कोडरमा विधानसभा चुनाव को लेकर क्षेत्रों का तापमान तेजी से बढ़ने लगा है। चुनाव को लेकर हर दिन कहीं न कहीं चुनावी माहौल पर चर्चा हो रही है। इसमें उम्मीदों की बारात निकल रही है। प्रत्याशी गांव-गांव गली-मोहल्ले घूम-घूमकर तरह-तरह के वादे कर रहे हैं। किसी से जरूरत की सुविधाएं दिलाने का वादा किया जा रहा है तो तो किसी को ठेकेदार बनाने का सपना दिखाया जा रहा है। अचानक बढ़ी तपिश

के बाद भले ही मौसम ने नरमी बरती हो लेकिन विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक सरगमी चरम पर है। सभी प्रत्याशी खुद को बेहतर बनाते में जुटे हैं। डोमचांच प्रखंड के कुछ गांव को कुछ लोग बैठे थे। डोमचांच कोडरमा विधानसभा क्षेत्र के एक प्रत्याशी के सिलसिले में चर्चा हो रही थी। कहा गया कि बिना जितले ही कई चापाकल लगवा देलू हउ। दूसरे ने जवाब दिया कि अयोध्या मामले में इंसाफ दिलाए वाला के याद रख। इ सब तो होते रही। तीसरे व्यक्ति ने जवाब दिया कि हम जेकरा वोट देवे के

सोचले रही ओकरा को पार्टी से टिकते न मिलल हउ। अन्य प्रत्याशियों की भी चर्चाएं होती रहीं। डोमचांच के में चाय पिते हुए कुछ लोग प्रत्याशियों की बातचीत कर रहे थे।

एक ने कहा कि नेतवन चुनाव के समय दूसरा पार्टी के गाली देता है और मौका मिलते हाथ मिला लेता है। पक्विके वेवकूफ हउ। लेकिन दिन अभी ठीक चलतउ। कभी इधर से तो कभी उधर से पैसा मिलत हउ। डोमचांच, गांव-गांव घर-घर विधानसभा चुनाव की चर्चाएं हो रही हैं। मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

क्षेत्रीय विज्ञान मेला में राजकमल के बाल वैज्ञानिकों का डंका

कानपुर में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान मेला में होंगे शामिल

धनबाद । दिनांक 9 से 11 नवम्बर 2019 को सरस्वती विद्या मन्दिर, सीतामढ़ी में आयोजित क्षेत्रीय विज्ञान मेला में संगणक, वैदिक गणित प्रनमंच एवं पत्रवाचन प्रतियोगिता में राजकमल सरस्वती विद्या मन्दिर, धनबाद के बाल वैज्ञानिकों ने डंका बजा दिया । राजकमल के ग्िु वार्ग, बाल वर्ग, किोर वर्ग एवं तरुण वर्ग के बाल वैज्ञानिकों ने अपनी वैज्ञानिक क्षमता का लोहा मनवाया । निर्णायकों ने इनके प्रदों की भरपूर सराहना की ।

ग्िु वर्ग पु्भम कुमार, अमर कुमार सिन्हा, उज्ज्वल कुमार वांठि, स्नेहित, माही कुमारी, बाल वर्ग के रिदा साहिन, किोर वर्ग के प्रेरणा लाला, रोहित सिंह एवं तरुण वर्ग के झा र्मा, लक्ष्मी प्रिया सिंह, सुटि कुमारी के प्रर्दा अखिल भारतीय विज्ञान मेला के लिए चयनित किये गये । बाल वैज्ञानिकों ने भोजन श्रृंखला, सोसल कंजर्वेन, वायु प्रदूण,



नवाचार एवं गणित के प्रर्दा पर अव्वल घोषित किये गये ।

कम्प्यूटर में बाल वर्ग के रोान कुमार, प्रायोगिक विज्ञान में आदिल मनौवर, पत्रवाचन में साक्षी आनंद, रोहिणी कुमारी, पत्रवाचन वैदिक गणित में रितिक कुमार, अंकिता मिश्रा, विज्ञान प्रनमंच प्रतियोगिता में ति कौल, आरती कुमारी, प्रभात कुमार, वैदिक गणित प्रनमंच प्रतियोगिता में रितिक राज, लव

कुमार, कौीक तिवारी, प्रतियोगिता में विजयी घोित किये गये ।

क्षेत्रीय विज्ञान मेला में टीम का नेतृत्व अजय किोर झा, दिलीप दास एवं सुमना दीक्षित ने किया ।

इस सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य सुमन्त कुमार मिश्रा ने कहा कि अखिल भारतीय विज्ञान मेला में विद्यालय के बच्चे सर्वोत्त प्रर्दान करेंगे ऐसी

आा है। उन्होंने कहा कि राजकमल के बाल वैज्ञानिक उत्तर पूर्व क्षेत्र का नाम अवय रोन करेंगे ।

इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबन्धकारिणी समिति के संरक्षक याम सुन्दर चौधरी, अध्यक्ष ांकर दयाल बुधिया, उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार पटनियों, मंत्री विनोद कुमार तुलस्यान, सहमंत्री संजीव अग्रवाल, कोाध्यक्ष चन्द्रोखर अग्रवाल, प्राचार्य सुमन्त कुमार मिश्रा, एडिान्तल प्राचार्य राजो कुमार सिंह, उप प्राचार्या उमा मिश्रा, उप प्राचार्य मनोज कुमार ने भी हाँ व्यक्त किया तथा विजेता भैया-बहनों को बधाई दी ।

यह जानकारी विद्यालय के मीडिया प्रभारी तापस कुमार घो ने दी । उन्होंने कहा कि कानपुर में 30 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले अखिल भारतीय विज्ञान मेला में विजेता बाल वैज्ञानिक ामिल होंगे ।

नेहरू परिवार के हर सदस्य पर जारी है डाक टिकट व सिक्के



धनबाद । गुरुवार को 14 नवम्बर देश के प्रथम प्रधानमंत्री का जन्म दिन , जिसे बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है । भारत मे नेहरू ही एक मात्र ऐसे व्यक्ति है , जिनके खानदान के हर सदस्य पर बहुत सारी संग्रहणीय वस्तुएं ही नही बल्कि संग्रहालय भी है ।

अगर आप फिलेटली या नुमिस्मैटिक का शौक रखते है तो आप इन पर पूरी संग्रहालय बना सकते है । नेहरू जी एक मात्र ऐसे व्यक्ति है जिनके खानदान के प्राय: हर सदस्य पर डाक टिकट या सिक्के जारी किए गए है ।

उदाहरण स्वरूप जवाहर लाल नेहरू पर तो बहुतेरे डाक टिकट जारी किए गए है ही , इनके पिता मोती लाल नेहरू , इनकी बहन बिजय लक्ष्मी पंडित , इनकी पत्नी कमल नेहरू , इनके बड़े भाई की पत्नी रामेस्वरी नेहरू , इनकी पुत्री इन्दिरा गांधी , इनके दोनो नाती संजय एवम

राजीव गांधी पर अनेको डाक टिकट जारी किए गए है आधुनिक भारत के निर्माता के रूप में एक बार तीनों पीढ़ी पर डाक टिकट जारी हुए ।(हो सकता है जानकारी के आभाव में मुझसे कुछ छूट गया हो , अगर कुछ नई जानकारी हो तो मुझे अवगत कराएं)

सिक्कों की बात करे तो जवाहर लाल पर तीन बार , प्रथम 1964 में ,दूसरी बार 1989 मे फिर तीसरी बार 2014 मे , इनके पिता मोती लाल नेहरू , इनकी पुत्री ईंदिरा गांधी , इनके नाती राजीव गांधी पर भी भारत सरकार ने सिक्के जारी किए , यानी सिक्के भी चार पुस्त पर ।

इनके खानदान को पुन: नमन , जिन्होंने भारत को इतनी विभूतियों को दिया एबम हम संग्रहकर्ताओं को इतनी संग्रहणीय सामग्री दी । मेरे संग्रह से आप भी अपनी जानकारी बढ़ाये ।

मानव श्रृंखला बनाकर किया मतदाताओं को जागरूक



धनबाद । सिस्टेमेटिक वोटर्स एज्युकेशन एण्ड इलेक्ट्रोल पार्टिसिपेशन (स्वीप) कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता के लिए मिश्रित उच्च विद्यालय झरिया के द्वारा मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने लोगों को 16 दिसंबर 2019 को अपने मतधिकार का प्रयोग अवश्य करने के लिए प्रेरित किया। जेकेआरआर मुगमा, गर्ल्स हाई स्कूल, रेलवे कॉलोनी, भागा में भी छात्रों ने मतदाता जागरूकता के लिए मानव श्रृंखला बनाकर अभियान चलाया। अभियान के अंतर्गत खेशमी गाँव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन तथा वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल के संबंध में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। बलियापुर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में लोकतंत्र में महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम किया गया। महिलाओं ने हस्ताक्षर अभियान के तहत हस्ताक्षर किए व आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान करने का संकल्प लिया। यहां ईवीएम और वीवीपैट का प्रदर्शन भी किया गया और लोगों से मॉल पोल भी कराया गया। मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तहत आज कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय तोपचांची में लघु नाटक का आयोजन किया गया है। जिसमें सभी स्वीप से संबंधित लघु नाटिका का आयोजन किया गया।

पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया सी विजील का प्रशिक्षण

धनबाद। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अमित कुमार के निर्देश पर स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त विधानसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए पुलिस लाइन में सी विजिल एप को लेकर प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीपीओ यूआईडी अमित कुमार तथा बिजनेस एनालिस्ट आनंद कुमार पटेल ने लगभग 100 से अधिक पुलिस पदाधिकारियों को उनके मोबाइल फोन पर सी विजील एप डाउनलोड कराया तथा शिकायतें को एप से अपलोड कराने का प्रशिक्षण दिया। पुलिस पदाधिकारियों को बताया गया कि वे देश के जिम्मेदार नागरिक हैं तथा स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त चुनाव संपन्न कराने में वे महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

रेलवे करेगी ट्रैक के किनारे चाहरदीवारी का निर्माण

धनबाद। हावड़ा से नई दिल्ली के बीच सेमी हाई स्पीड ट्रेन चलाने के लिए रेलवे अब ट्रैक के दोनों किनारे पर चाहरदीवारी का निर्माण कराएगी। डीआरएम अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि ग्रैंड कॉर्ड सेक्शन पर धनबाद से गया के बीच 200 किलोमीटर लंबी दीवार अलग-अलग जगहों पर बनेगी। इस प्रोजेक्ट के लिए रेल मंडल को 40 करोड़ की स्वीकृति मिल चुकी है। इससे न सिर्फ ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी बल्कि रेलवे लाइन के किनारे रेलवे की कीमती जमीन को अतिक्रमण से भी मुक्त कराया जा सकेगा। धनबाद, वासेपुर, भूली से लेकर पूरे ग्रैंड कॉर्ड सेक्शन में रेलवे ट्रैक के किनारे अतिक्रमण कर झुग्गी-झोपड़ी से लेकर कंक्रीट के मकान तक निर्माण करा लिए गए हैं। शहर के रांगटांड और आसपास के हिस्से में बड़े पैमाने पर रेलवे लाइन के आसपास खटाल बस चुके हैं। अन्य कई हिस्से में भी खटाल हैं जिनसे मवेशी अक्सर रेलवे ट्रैक पर आ जाते हैं।

फिर वही सियासी खेल

सरकार बनाने की 19 दिन की उछापटक के बाद महाराष्ट्र में मंगलवार को भले ही राष्ट्रपति शासन लागू हो गया हो, लेकिन वहां सरकार के गठन की संभावनाएं अभी खत्म नहीं हुई हैं। सचार्ड यह है कि राज्यपाल ने अगर पर्याप्त धैर्य दिखाया होता तो राष्ट्रपति शासन की नौबत ही नहीं आती। शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के बीच सरकार बनाने पर सहमति तकरीबन बन ही चुकी थी। लेकिन गवर्नर ने थोड़ा और इंतजार करना बेहतर नहीं समझा। हमारी संघीय प्रणाली में सबसे आदर्श स्थिति यही मानी जाती है कि राज्यपाल द्वारा सरकार के गठन की हर संभव कोशिश की जाए। लगता है, राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने विभिन्न दलों के बीच लगातार असमंजस की स्थिति को सियासी अस्थिरता का संकेत मान लिया। संभव है, वे भविष्य के प्रति आश्वस्त न हो पाए हों, पर उन्होंने जिस तरह से बहुमत साबित करने के लिए दोनों पक्षों में भेदभाव किया उससे पिछले कुछ समय से लगातार लग रहे इस आरोप को मजबूती मिलती है कि राज्यपाल अब सारे फैसले केंद्र सरकार को खुश रखने के लिए ही करने लगे हैं। कोश्यारी ने बीजेपी को सरकार गठन के बारे में बताने के लिए 48 घंटे का समय दिया जबकि शिवसेना को समर्थन पत्र हासिल करने के लिए 24 घंटे का वक्त दिया। एनसीपी को तो उन्होंने 12 घंटे में ही निपटा दिया। यही वजह है कि शिवसेना ने उनके रखे को जल्दबाजी भरा बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी और अदालत से मांग की कि वह शिवसेना को सरकार के गठन के लिए उचित समय दिए जाने का निर्देश जारी करें। इस तरह राज्यपाल के निर्णयों को अदालत में चुनौती दिया जाना हमारी व्यवस्था के लिए कोई शुभ संकेत नहीं है। असल में केंद्र में सत्तारूढ़ दल अपने ऐसे विश्वासपात्र जनों को ही राजभवन भेजते हैं, जो निर्णायक समय में उनके काम आ सकें। इसमें हीलाहवाली करने वाले राज्यपालों को वापस बुला लेने या छोटे अ-महत्वपूर्ण राज्यों में भेज देने की परंपरा मजबूत हो चली है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे ही राज्यपाल जब-तब चिल्लकू मनमाने फैसले पर उतारू हो जाते हैं तो मामला कोर्ट तक पहुंच जाता है। लेकिन उस पर जब तक फैसला आता है, तब तक केंद्र की मनमाफिक सरकार के प्रतिनिधि पर्याप्त सत्ता सुख भोग चुके होते हैं। नतीजा यह कि जनादेश कई बार बेमानी होकर रह जाता है। बहरहाल, महाराष्ट्र में सरकार गठन की कोशिश जारी है। बुधवार को कांग्रेस और एनसीपी ने न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाने के लिए 5-5 नेताओं की एक कमेटी बनाई। कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना सरकार चलाने के नए सूत्र तलाश रही हैं। सरकार के गठन की ज्यों ही गुंजाइश पैदा हो, राज्यपाल को तत्परता दिखाते हुए उसे बनवा देना चाहिए, तभी वे अपने ऊपर लग रहे आरोपों से मुक्त हो सकेंगे। इसमें देर होने से विधायकों की खरीद-फरोख्त के अलावा कर्नाटक की तर्ज पर उनसे इस्तीफे दिलाकर मनमाफिक सरकार बनवा लेने की आशंका भी बढ़ेगी।

वॉट्सऐप में ताकाझांकी

वॉट्सऐप कॉल के जरिए फोन जासूसी के नए खुलासे चौंकाने वाले हैं। विपक्ष ने तो इसे मुद्दा बनाया ही है, सरकार ने भी चुस्ती दिखाते हुए तत्काल वॉट्सऐप को नोटिस भेजकर उससे स्पष्टीकरण मांगा है। इस मामले में और भी खिझाने वाली बात यह है कि नागरिकों की निजता पर हुए इस हमले की सूचना हमें तब मिली जब खुद वॉट्सऐप ने अमेरिका में इजरायली कंपनी एनएसओ रूप के खिलाफ केस दर्ज कराते हुए बताया कि इस कंपनी द्वारा डिवेलप किए गए सॉफ्टवेयर के जरिये दुनिया भर में 1400 लोगों के फोन से सूचनाएं उड़ाई गई हैं। भारत में पीडितों के जितने भी नाम अब तक सामने आए हैं, करीब-करीब वे सारे ही किसी न किसी वजह से सरकार के निशाने पर रहे हैं। यही कारण है कि विपक्ष ने आलोचनाओं का मुंह सीधे सरकार की ओर मोड़ दिया है। संसदीय लोकतंत्र में यह एक हद तक स्वाभाविक है, लेकिन इस महत्वपूर्ण और संवेदनशील मसले पर सरकार की भूमिका को लेकर जल्दबाजी में कोई नतीजा निकालना ठीक नहीं होगा। अभी तो यही साफ होना बाकी है कि जब वॉट्सऐप को इस बात की जानकारी मिली कि उसकी सेवाओं को जरिया बनाकर उसके कुछ उपभोक्ताओं की निजता पर हमला हुआ है तो उसने अपने स्तर पर उनको सतर्क, सजग करने के लिए क्या किया। अब तक उपलब्ध तथ्यों से यही लगता है कि इंडियन यूजर्स इसकी प्राथमिकता में कहीं थे ही नहीं। अगर होते और उनके हितों की चिंता वॉट्सऐप को होती तो उन्हें सूचित और सावधान करने का जो काम केस दर्ज कराने और खबरें सार्वजनिक होने के 24-48 घंटों में किया गया, वह तभी किया जाता जब वॉट्सऐप को ऐसा कुछ किए जाने की जानकारी हासिल हुई। बहरहाल, सबसे ज्यादा शोर अभी भले ही निजता के उल्लंघन को लेकर हो रहा हो, पर इस प्रकरण में कई और बड़े मुद्दे भी शामिल हैं। जिस तरह से वकीलों, पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और विपक्षी दलों से जुड़े लोगों को निशाना बनाए जाने की बात सामने आई है, उससे यह शांतिपूर्ण प्रतिरोध के अधिकारों को बेमानी बना देने, लोकतांत्रिक चेतना को कुंद करने और राजनीतिक गतिविधियों पर अधोषित अंकुश लगाने का मामला ज्यादा लगता है। जैसा कुछ रिपोर्टों में बताया गया है, पीडितों में अगर सरकार और सेना से जुड़े लोग भी शामिल हैं तो यह सवाल भी उठता है कि क्या इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे का कोई गंभीर पहलू भी शामिल है? स्पष्ट है कि इस जासूसी के पीछे हाथ चाहे जिसका भी रहा हो, उसकी शकल देश के सामने आनी चाहिए। सरकार को इस मामले की निर्म्म और पारदर्शी जांच करानी चाहिए, ताकि न केवल यह मामला सुलझे बल्कि संबंधित इजराइली कंपनी समेत हर दोषी के लिए ऐसी सजा का इंतजाम हो सके, जिसे याद करके कोई भी ऐसा करने से पहले हजार बार सोचे।

संपादकीय

बचपन पर गहराते संकट के बादल

सच है कि आज संपन्न अभिभावक तो अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ने के लिए भेज ही रहे हैं, साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर अभिभावक भी अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उनका दाखिला निजी स्कूलों में करवा रहे हैं, फिर भले ही इसके लिए उन्हें रात को भूखा ही क्यों न सोना पड़े। वहीं दूसरी ओर देश में हर दिन किसी न किसी बच्चे को दौन शोषण का शिकार होना पड़ रहा है। रिपोर्ट तो यह कहती है कि हर 3 घंटे में एक बच्चे को बाल दौन शोषण का शिकार होना पड़ता है। सच्चाई यह भी है कि बच्चों को अपनी हवस का शिकार बनाने वाले अधिकतर इनके परिजन ही होते हैं।

ये दौलत थी ले लो, ये शोहरत थी ले लो भले छीन लो मुझसे मेरी जवानी मगर मुझको लौटा दो बचपन का सावन वो कागत की करती, वो बारिश का पानी

भारत में प्रतिवर्ष 14 नवंबर को प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। जो सपने चाचा नेहरू ने बच्चों के खुशहाल जीवन को लेकर देखे थे, उनमें से आज कई धूमिल होते नजर आ रहे हैं। आज भी देश के करोड़ों बच्चे दो जून की रोटी के लिए मोहताज हैं। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में स्कूल जाने के लिए किताबों से भरा बस्ता होना चाहिए, उस उम्र में वे मजदूरी करने को मजबूर हैं। ये विषम हालात ही हैं जो बच्चों को उम्र से पहले बड़ा बना रहे हैं। निःसंदेह बच्चे किसी देश का वर्तमान ही नहीं बल्कि भविष्य भी होते हैं। अतः जिस देश के बच्चे वर्तमान में जितने महफूज व सुविधा-संपन्न होंगे, जाहिर है कि उस देश का भविष्य भी उतना ही उज्ज्वल होगा। लेकिन इसके विपरीत भारत में बाल का हाल किसी से छिपा नहीं है। देश में बाल श्रम अधिनियम (14 वर्ष से कम बच्चों से मजदूरी व जोखिम वाला काम करवाना अपराध है) व बाल मजदूरी कानून होने के बाद भी कोई न

कोई छोटू किसी न किसी होटल या ढाबे पर बर्तन धोता या टेबल पर चाय परोसता मिल ही जाएगा।

गौरतलब है कि भारत में 60 मिलियन बच्चे बाल मजदूरी में संलग्न हैं। देश की सड़कों पर आए दिन कोई न कोई बच्चा फटे कपड़ों में भीख मांगता, 26 जनवरी व 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर झंडे बेचता और ट्रैफिक सिग्नल पर सलाम करता मिल ही जाएगा। यूनिसेफ ने तो इन बच्चों को स्ट्रीट चिल्ड्रन के नाम पर 2 भागों में वर्गीकृत किया है। एक तो वे बच्चे जो सड़कों पर भीख मांगते हैं और दूसरे वे जो सामान बेचते हैं। मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 1 करोड़ बच्चे सड़कों पर रहते हैं और काम करते हैं। ऐसे में जिस देश के बच्चे पढ़ नहीं पा रहे हैं, उस देश के विकसित होने का सपना देखना बेमानी ही होगा।

हालांकि देश में सर्वशिक्षा अभियान के तहत हर बच्चे को शिक्षा देने का दावा सरकार करती है लेकिन सरकारी शिक्षा की गुणवत्ता न के बराबर है। यही कारण है कि सरकारी स्कूल के बच्चों व निजी स्कूलों के बच्चों की शिक्षा के स्तर में रात-दिन का अंतर नजर आता है। सरकारी स्कूलों में प्रवेश के लिए मिड-डे

मील, निःशुल्क किताबें व कम फीस का ऑफर देकर सरकार केवल खानापूर्ति ही कर रही है। यह भी सच है कि आज संपन्न अभिभावक तो अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ने के लिए भेज ही रहे हैं, साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर अभिभावक भी अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उनका दाखिला निजी स्कूलों में करवा रहे हैं, फिर भले ही इसके लिए उन्हें रात को भूखा ही क्यों न सोना पड़े। वहीं दूसरी ओर देश में हर दिन किसी न किसी बच्चे को यौन शोषण का शिकार होना पड़ रहा है। रिपोर्ट तो यह कहती है कि हर 3 घंटे में एक बच्चे को बाल यौन शोषण का शिकार होना पड़ता है। सच्चाई यह भी है कि बच्चों को अपनी हवस का शिकार बनाने वाले अधिकतर इनके परिजन ही होते हैं।

हालांकि बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए सरकार ने 2012 में पोक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस) एक्ट बनाया लेकिन यह बेअसर साबित हो रहा है। यह भी चौंकाने वाला सच है कि देश में हर साल, 5 साल से कम उम्र के 10 लाख बच्चे कुपोषण के कारण मर जाते हैं। भारत कुपोषण की श्रेणी में दक्षिण एशिया का अग्रणी देश है। भारत में राजस्थान व मध्य

प्रदेश का हाल तो और भी बुरा है। इन हालातों में केवल एक दिन बच्चों के विकास और स्वर्णिम भविष्य को लेकर चर्चा करना कितना वाजिब है? क्या अब भी बच्चों की दुर्दशा व इस भयावह स्थिति को लेकर हमें सचेत होने की आवश्यकता नहीं है? वहीं गृह मंत्रालय ने एक आरटीआई के जवाब में यह आफ किया है कि देश में प्रतिवर्ष 90 हजार बच्चे गुम हो जाते हैं। एक गैर-सरकारी संगठन की रिपोर्ट के अनुसार एक घंटे में करीबन 11 बच्चे लापता हो जाते हैं। लापता हुए बच्चों में से अधिकतर बच्चे शोषण के शिकार हो जाते हैं। इनमें से ज्यादातर बच्चे अपने घर लौट ही नहीं पाते।

इन सबके बाद यह सोचनीय है कि अब बचपन बचा कहाँ है? गलियां सुनसान हैं और मैदान जितने भी बचे हैं, वे वीरान हैं। दरअसल गलियों में धमा-चौकड़ी करने वाला बचपन आज इंटरनेट के मकड़जाल में फंसाता जा रहा है। यही कारण है कि बच्चों को अपने होममन के बाद जो समय मिल रहा है, उसे वे सोशल साइट्स व गेम्स खेलने में गंवा रहे हैं, इसके कारण उनकी आंखों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है तथा वे चिड़चिड़ेपन का शिकार हो रहे हैं। हाल ही में ब्लू च्छेल व पबजी नामक मोबाइल गेम के कारण

भारत में एक के बाद एक बच्चों द्वारा आत्महत्या करने की खबर ने सबको हैरत में डाल दिया है। आखिर ऐसी नौबत क्यों आई? क्योंकि बच्चों को कभी भी अभिभावकों ने मैदान में खेलने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया। कभी मैदान में खेले जाने वाले खेलों के प्रति उनकी जिज्ञासा उत्पन्न करने की कोशिश की ही नहीं हुई। इसका कारण धनोपार्जन की अंधी दौड़ में अभिभावकों का अपने बच्चों व परिवार से कट जाना है। कहते हैं कि बच्चे भगवान का रूप होते हैं। चंचलता, मासूमियत, भोलापन, सादगी व सच कहने की गजब शक्ति बच्चों में होती है लेकिन आज उसी निर्भीक बचपन को अत्याधुनिकता की नजर लग गई है। यहां फिर अभिभावकों की बच्चों को शीघ्र बड़ा बनाने की तलब ने कहीं न कहीं उनके बचपन को छीनने का प्रयास किया है। अगर यही स्थिति रही तो फिर बचपन और बुढ़ापे में क्या अंतर रह जाएगा? हमें इस बाल दिवस पर इन समस्याओं को लेकर गंभीरतापूर्वक चिंतन, मनन व मंथन करने की महती आवश्यकता है।

बोझ तो बराबर हैं दोनों का फिर मिलात अलग-अलग क्यों? किस मुख से कहूँ हैप्पी चिल्ड्रन्स डे!

खाकी और काले कोट की लड़ाई में कानून का कचूमर

डीसीपी किरन बेदी ने 20 जनवरी को प्रेस कॉफ्रेंस कर पुलिस की कार्यवाही को जायज ठहराया तो उनके विरोध में तीस हजारी कोर्ट परिसर स्थित किरन बेदी के कार्यालय के समक्ष वकील प्रदर्शन करने पहुंच गए जिन्हें खदेड़ने के लिए पुलिस ने लाठी चार्ज, वाटर कैनन और आंसू गैस तक का इस्तेमाल किया जिससे कई वकील घायल भी हुए। इस घटना के विरोध में तथा किरने बेदी के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर वकीलों ने ढाड़ महीने तक हड़ताल रखी। यही नहीं तड़कोर्ट द्वारा जब सिटिंग जज के नेतृत्व में घटनाक्रम की जांच बैठायी तो जांच कमेटी ने किरन बेदी को दोषी ठहराया और अदालत के आदेश पर किरन बेदी का तबादला कर दिया गया।

देश की राजधानी में वकीलों और दिल्ली पुलिस की लड़ाई में पलड़ा चाहे जिसका भी भारी रहे मगर इस अशोभनीय और अराजक घटनाक्रम में कानून और मयादाओं का कचूमर अवश्य बन गया। अपने तर्कों और ज्ञान से अदालतों में जनता को न्याय दिलाने वाले काले कोट धारी कुछ वकीलों ने जिस तरह अदालत के बजाय स्वयं ही सड़क पर न्याय कर डाला, उससे कानून और न्याय व्यवस्था की ध्ज्जियां तो उड़ी ही हैं लेकिन किसी भी शासन की शक्ति की प्रतीक पुलिस पर हमला कर एक तरह से सत्ता की सार्वभौमिकता का ही राजधानी की सड़कों पर रौंद दिया गया। लेकिन दूसरी ओर अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे कानून के रक्षक तीस हजारी कोर्ट की घटना के विरोध में 5 नवम्बर को अपने ही मुख्यालय के समक्ष जिस तरह बेकाबू हुए उसने 1988 के दिल्ली पुलिस के असन्तोष को भी बहुत पीछे छोड़कर 1973 के उत्तर प्रदेश के पीएसी विद्रोह की याद ताजा कर दी है। देश की बेहतरीन समझी जाने वाली दिल्ली पुलिस का आवेश में अनुशासन की लक्ष्मण रेखा को इस तरह लांघना भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है।

संविधान के महीने संविधान को

ध्ज्जियां : वकीलों और पुलिस के बीच झड़पें होना कोई नई बात नहीं है। कचहरियों में आम आदमी के पिटने की घटनाएँ भी नई नहीं हैं। लेकिन काले कोट वालों द्वारा खाकी वर्दीधारियों को देश की राजधानी की सड़कों पर इस तरह बेरहमी से पिटते कभी नहीं देखा गया था। जिस खाकी को देख कर आम आदमी खोफ खाता है, वहीं खाकी दिल्ली की सड़कों पर पुलिसकर्मियों के लिए पिटने का सबब बन गई थी। देखा जाय तो देश के संविधान के अनुसार समाज में कानून का राज कायम रखने के लिये नियुक्त कानून के रखवालों पर इस तरह संगठित हमला देश के कानून और संविधान पर ही हमला था और यह हमला उस नवम्बर के महीने हुआ है जिस महीने की 26 तारीख को बेहतरीन संविधान देश को मिला था।

पुलिसकर्मियों ने भी पार की लक्ष्मण रेखा : दिल्ली में 2 नवंबर और उसके बाद जो कुछ हुआ वह सारी दुनिया ने देख लिया। इस घटना के बाद पहली बार पुलिस के प्रति जो देशभर में जो सहानुभूति देखी गई वह स्वाभाविक ही थी। उसी से प्रेरित हो कर देश के विभिन्न कोनों से वरिष्ठ आईपीएस एवं आइएएस अफसरों ने भी निजी तौर पर दिल्ली

पुलिस के साथ अपनी एकजुटता प्रकट की। हालांकि, दिल्ली पुलिस के जवान अपने आला अफसरों को धिक्कारते हुए किरन वेदी को याद कर रहे थे। लेकिन दूसरी ओर विवशता से ही सही मगर पुलिस का इस तरह लक्ष्मण रेखा को पार करना कानून व्यवस्था और अनुशासन को लेकर भविष्य के गर्भ में दबी आशंकाओं को भी कुलबुला गया है। सामान्यतः इस तरह की सीमाएं जब एक बार टूटती हैं तो फिर अक्सर टूटती जाती हैं।

पिटे पुलिसकर्मियों को क्यों याद आई किरन बेदी? : चोरी के मामले में 16 जनवरी 1988 को दिल्ली पुलिस अग्निके 1988 को दिल्ली पुलिस राजेश अनिमहोत्री नाम के वकील को हथकड़ी डाल कर तीस हजारी कोर्ट में ले गई तो वहां वकीलों ने अपने साथी को हथकड़ी पहनाने पर भारी विरोध किया। यही नहीं उन्होंने अपना विरोध मजिस्ट्रेट के समक्ष भी प्रकट किया तो मजिस्ट्रेट ने भी वकीलों के विरोध को जायज ठहरा कर अभियुक्त वकील को उसी दिन रिहा करने के आदेश दे दिए। अगले दिन 18 जनवरी को वकील पुलिस के खिलाफ हड़ताल पर चले गये।

तत्कालीन डीसीपी किरन बेदी ने 20 जनवरी को प्रेस कॉफ्रेंस कर पुलिस की

कार्यवाही को जायज ठहराया तो उनके विरोध में तीस हजारी कोर्ट परिसर स्थित किरन बेदी के कार्यालय के समक्ष वकील प्रदर्शन करने पहुंच गए जिन्हें खदेड़ने के लिए पुलिस ने लाठी चार्ज, वाटर कैनन और आंसू गैस तक का इस्तेमाल किया जिससे कई वकील घायल भी हुए। इस घटना के विरोध में तथा किरने बेदी के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर वकीलों ने ढाड़ महीने तक हड़ताल रखी। यही नहीं हाइकोर्ट द्वारा जब सिटिंग जज के नेतृत्व में घटनाक्रम की जांच बैठायी तो जांच कमेटी ने किरन बेदी को दोषी ठहराया और अदालत के आदेश पर किरन बेदी का तबादला कर दिया गया। पुलिस नेतृत्व से निराश लुटे पिटे जवानों को ऐसी स्थिति में किरन बेदी नहीं तो फिर कौन याद आता?

संगठन के बैनरतले एकजुट होना चाहते हैं पुलिसकर्म : दिल्ली के पुलिसकर्मियों की अब पहली मांग अपना संगठन बनाने की है, लेकिन देश की राजधानी में पुलिस को संगठन बनाने के इजाजत दी जायेगी, इस पर संदेह है। कानून भी बिना सरकार की अनुमति के संगठन बनाने की अनुमति नहीं देता। लेकिन सवाल यह भी उठ सकता है कि जब बिना संगठन के ही दिल्ली पुलिस के

जवान और अधीनस्थ कर्मचारी वर्दी समेत अन्य सिविलियन कर्मचारियों की तरह सड़कों पर उतर सकते हैं तो फिर तब क्या होगा, जब इनके ऊपर संगठन की छत्रछाया होगी? देखा जाय तो पुलिस कर्मचारियों को अन्य सिविलियन कर्मचारियों की तरह संठन बनाने के अधिकार की मांग नई नहीं है।

बिहार, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, केरल जैसे कुछ राज्यों में पुलिस एसोसिएशन पहले ही अस्तित्व में हैं। पुलिस फोर्स के लोकतांत्रिक अधिकारों की पैरवी करने वालों का मत है कि अन्य सरकारी कर्मचारियों को संगठन बनाने और आंदोलन में उतरने का अधिकार है तो पुलिसकर्मियों को क्यों नहीं? इसके विपरीत दूसरा मत यह भी है कि युनियन ना सही फिर भी यदि इस प्रकार की एसोसिएशन बन गई तो उनका भारी खामियाजा पुलिस विभाग को उठाना पड़ेगा। इसमें अनुशासनहीनता से लेकर विद्रोह की संभावना तक सम्मिलित हैं। इसलिये पुलिसवालों के संगठन के विरोध में मेरठ और मुरादाबाद आदि स्थानों पर हुए साम्प्रदायिक दंगों में पीएसी की भूमिका और अन्य कई स्थानों पर पुलिस की उदंडता का भी हवाला दिया जाता रहा है।

नवप्रदेश के घर डाकिया

भगवान श्री कृष्ण और भगवान शिव की पहली भेंट

भेष बदल कर आए प्रभु
सुत का दर्श करा दे मां
देखने को उनको आँखियां तरसी
मन की प्यास बुझा दे मां
युगों युगों तक लगे समाधि
उसको छोड़ के आए मां
शिशु रूप को आए देखने
उनकी मनमोहक छवि दिखा दे मां
दुर्गे के संहार की खातिर
प्रभु वैकुंठ छोड़ के आए मां
भू-धरा का भार उतारने
धर अवतार वो आए मां
मैं कैलाशी, हूं अविनाशी
धिशु के रूप धर आया मैं
बस एक बार सुत का दर्श करा दो
मुझ पर उपकार ये कर दो मां
हीरे-मोती चाहे सोना ले लो
एक बार प्रभु को मिला दो

प्रणति सिंह
रुपिया, रांची

चिंतन-मनन

भिक्षु का काम क्या है

‘**आपने** बाहर की दुनिया का सच देखा, फिर भिक्षु जीवन की हकीकत भी जान ली। आपका जीवन बहुत कष्टमय होगा भंतेजी!’ सारनाथ के चीनी बौद्ध मंदिर में भंते चगेज की बातें सुनते हुए यह बात बेसाख्ता मेरे मुंह से निकली। सबसे नाश्ता-पानी करके बनारस के इस नजदीकी कस्बे में मैंने एक ऐसी सड़क पर बढ़ने का मन बनाया, जिधर बहुत सारी ट्रिस्ट बसें खड़ी थीं लेकिन लोग इक्का-दुक्का ही दिखाई पड़ रहे थे। बुद्ध पूर्णिमा का दिन था। दुनिया भर से आए तीर्थयात्री और दर्शनार्थी कस्बे में ठसाठस भरे थे। एक दिशा उनकी गहमागहमी से इतनी मुक्त क्यों है, यह उत्सुकता मुझे इस तर्फ ले आई थी। कोई सौ कदम चलते ही बाईं तरफ पुरानी चीनी शैली की एक इमारत दिखाई पड़ी। वर्गाकार

जमीन पर प्रिज्म की आकृति वाली खुली-खुली भव्य रचना। चटख पेंट का जगह-जगह उड़ता रंग-रंगन और गर्दन झुकाए ओसारे से परिसर के पेड़ों तक गश्त लगाता पतली-लंबी ठुड़ी दाढ़ी लिए एक भिक्षु। मैंने वहां मंदिर पर बना ह्वेन सांग की भारत यात्रा का प्रामाणिक नक्शा देखा, कुछ देर बुद्ध प्रतिमाओं के सामने खड़ा रहा, सैनिक पोशाक वाले मंदिर निर्माता की तस्वीर देखी, और 11 एकड़ में बने इस मंदिर के निर्माण की तारीख, जिसमें साल की जगह 1939 दर्ज था। अपवाद स्वरूप तिब्बत को छोड़कर चीन की सरकार अब औसत मंदिरों की ही देखरेख नहीं करती, किसी चीनी को यहां आकर काम करने का वक्त और पैसे तो वह क्या ही देती होगी। इस

शंका के समाधान के लिए मैंने भिक्षु से बात करने का फैसला किया, जिनके चीनी होने का एक कयास मेरे मन में था। मैं उनसे कुछ पूछता, उससे पहले ही मेरे प्रणाम के जवाब में उन्होंने मुझसे पूछ- ‘आप कहां से आए हैं?’ मेरे दिल्ली कहने की देर थी कि उन्होंने जहांगीरपुरी से शुरू हुआ अपना पूरा इतिहास मेरे सामने खोल दिया। देश-दुनिया को लेकर काफी सूचनाएं उनके पास थीं लेकिन उनका तत्वज्ञान मौजूदा बौद्ध धर्म की दुर्दशा पर ही केंद्रित था।

चगेज नामधारी इस भिक्षु की सबसे बड़ी नाराजगी 15-16 साल के बच्चों को चीवर पहनाकर भिक्षु बना देने को लेकर थी। ‘पढ़ने-लिखने की उम्र में ये दिन भर मोबाइल में जुटे रहते हैं।

बाघमारा में परिवर्तन की लहर : रतिलाल टुडु

बाघमारा। गुरूवार को झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की बैठक बाघमार प्रखंड अध्यक्ष रतिलाल टुडु की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में गठबंधन उम्मीदवार जलेशवर महतो जीत सुनिश्चित करने के लिये सभी कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में मेहनत करने को कहा। बैठक को सम्बोधित करते हुए रतिलाल ने कहा पूरे बाघमारा विधानसभा क्षेत्र में दुल्लू के आतंक से लोग त्रस्त है, सभी कोलथरियो मे असंगठित मजदूरों के आड़ में रंगदारी उसूला जा रहा है ,बाघमारा के युवाओं को गलत रास्ते पर ला दिए हैं,भाजपा रघुवर सरकार में महंगाई चरम पर बैठक में मुख्य रूप से मोना महतो,धीरेन खानी,उत्तम महतो,संजीत सिंह,आसिष पासवान,सिवप्रसाद महतो,रजा महतो,कचन महतो,रंजीत महतो, अलीहसन राजा, चक्रधारी महतो,नूतन सिंह,मरियम जी,राहुल महतो इत्यादि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चलाया गया जागरूकता अभियान



मेदिनीनगर। चुनाव आयोग के सी विजील ऐप को लेकर स्वीप कोषांग द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरूवार को चियांकी स्थित पंडित जगनारायण त्रिपाठी बीएड कॉलेज में ऐप को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्वीप कोषांग की ओर से सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अजीत तिवारी, एसएमपीओ भास्कर कुमार एवं जिला शिकायत निवारण समन्वयक संदीप कुमार ने कॉलेज के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को चुनाव आयोग के सी विजील ऐप के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बताया गया कि कोई भी स्मार्ट फोन में इस ऐप को इंस्टॉल किया जा सकता है एवं चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अनियमितता या गड़बड़ी की शिकायत इस ऐप के माध्यम से दर्ज कराई जा सकती है।दर्ज शिकायत के आधार पर चुनाव आयोग द्वारा सौ मिनट के अंदर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान बताया गया कि कोई भी व्यक्ति यदि चुनाव प्रक्रिया के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करता है तो उसका फोटो या वीडियो इस ऐप पर अपलोड कर आयोग को भेज सकते हैं। शिकायत करने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जाएगी।इस दौरान कॉलेज के छात्रों एवं छात्राओं ने भारी संख्या में इस एप्लिकेशन को डाउनलोड किया।विदित हो कि सभी जिलों के महाविद्यालयों में केंपस एम्बेसडर के द्वारा सी विजील ऐप डाउलोड प्रतियोगिता कराया जा रहा है। सर्वाधिक संख्या में सी विजील ऐप को डाउनलोड करने वाले तीन केंपस एम्बेसडर को जिला स्तर पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा सभी छात्रों के बीच मतदाता जागरूकता संबंधित कई पोस्टर एवं पंपलेट का भी वितरण किया गया।

बेरमो कोयलांचल में धूमधाम से मना बाल दिवस

बेरमो। बच्चे की मुस्कान राष्ट्र की शान बच्चो की खुशहाली ही राष्ट्र समाज की तरक्की का आधार है इस विचार धारा के साथ भारत के प्रथम प्रधान मंत्री पंथ जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिवस को बाल दिवस के रूप में मनाये जाने की परम्परा के तहत पूरे बेरमो कोयलांचल के गोमिया, कथारा, फुसरो, ,चंद्रपुरा मे बच्चो से अतिशय लगाव रखने वाले भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं 0 जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित करते हुए किया गया। स्कूलों एवं शिक्षक संस्थानो मे बाल दिवस समारोह कई कार्यक्रमो के साथ मनाया गया।करगली बाजार स्थित फुसरो बाजार मध्य बाजार एवं लिंगवा फेन्क्वा इंग्लिश स्पेकेन इंस्टिट्यूट सुभाष नगर में समारोह की शुरुआत प्रधानाचार्य शालीग्राम विशवकर्मा एवं शिक्षक शुभम दुबे ने कहाकि राष्ट्र समाज के हर बच्चे खास हैं और उनके बेहतर भविष्य के लिए मूल आवश्यकताओं रोटी , कपडा और मकान , स्वास्थ्य शिक्षा , पढाई लिखाई का बन्दोबस्त किया जाना बेहद जरूरी है। तभी बाल दिवस मनाये जाने की सार्थकता साबित होगी।मौके पर मनोज कुमार सिंह, अजय कुंवर, अलका सिन्हा, आभा टोप्पो, रोबिन सोरेन प्रशांत उर्फ सनी सिंह इत्यादि लोग मौजूद थे।

आरोग्यम हॉस्पिटल द्वारा लगाया गया निःशुल्क जांच शिविर



हजारीबाग। शहर के एचजेडब्ली आरोग्यम हॉस्पिटल द्वारा हॉस्पिटल परिसर, झील परिसर और झील परिसर स्थित सीआरपीएफ कैंप में विश्व मधुमेह दिवस के मौके पर बृहस्पतिवार को निःशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आरोग्यम हॉस्पिटल परिसर में रांची के प्रख्यात मेडिका हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ. के.सी. लाल और आरोग्यम हॉस्पिटल के प्रख्यात फिजीशियन डॉ. राकेश रोशन के नेतृत्व में यहां पहुंचे कुल 2९5 हृदय रोगियों का हृदय संबंधी सभी तरह का स्वास्थ्य जांच किया गया। इस दौरान जरूरतमंद लोगों का ईसीजी भी अस्पताल द्वारा निःशुल्क किया गया। इधर आरोग्यम हॉस्पिटल द्वारा मधुमेह दिवस के मौके पर सुबह में झील परिसर में विचरण को पहुंचे करीब 225 लोगों का निःशुल्क मधुमेह जांच किया गया। झील परिसर स्थित सीआरपीएफ कैंप में भी यहां की विशेष टीम ने जाकर जवानों की मधुमेह जांच की और सभी मरीजों को अनुभवी और विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा यथोचित चिकित्सीय परामर्श दिया गया ।

हुसैनाबाद में मतदाता जागरूक अभियान के तहत सेल्फी प्वाइंट का उद्घाटन

मेदिनीनगर। विधानसभा चुनाव 2019 में मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से निर्वाची पदाधिकारी हुसैनाबाद कुंदन कुमार एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हुसैनाबाद विजय कुमार ने संयुक्त से सेल्फी प्वाइंट का उद्घाटन किया।यह सेल्फी प्वाइंट अनुमंडल अंतर्गत हरिहर चौक, जे पी चौक, अंबेडकर चौक पर लगाया गया है। इस अवसर पर निर्वाची पदाधिकारी हुसैनाबाद ने कहा कि मतदान हर 18 वर्ष के भारतीय नागरिक का अधिकार है।

मैंने वादा नहीं विकास किया है : मनीष जायसवाल

हजारीबाग। सदर विधायक सह भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने गुरुवार को निगम और सदर प्रखंड क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांवों का तूफानी दौरा कर भारतीय जनता पार्टी और अपने समर्थन में जनसंपर्क अभियान चलाया।

अपने जनसंपर्क अभियान कि श्रीगणेश उन्होंने निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 4 स्थित कोलघटी हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर और ईश्वर से आशीर्वाद प्राप्त कर किया। तत्पश्चात वार्ड संख्या 04 के कोलघटी और झील नगर, वार्ड संख्या 01 स्थित मंडई कला हनुमान नगर, मंडई कला राणा मुहल्ल, सिन्हा मुहल्ल, ग्राम पंचायत मंडई खुर्द स्थित अंबेडकर चौक, बेल गाछ चौक, बजरंगी चौक, सिंदूर पंचायत स्थित नवडीहा, सियारी, सिंदूर और नगवां पंचायत के नगवां और चुरकु गांव पहुंचे जहां जगह- जगह भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने तादाद में उपस्थित होकर उनका गाजे- बाजे, ढोल- ताशे के साथ गर्मजोशी से फूल माला पहनाकर

ग्रिजली विद्यालय में बाल दिवस मनाया गया



कोडरमा। 14 नवम्बर, तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ बाल-दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कमांडेंट एवं प्राचार्य कमान्डर (डॉ0) अशोक कुमार शर्मा, सीईओ प्रकाष गुप्ता, प्रपासक अशरफ खान, संयोजक उत्तम कुमार लाहा, बीडी नन्कर, तुषार राय चौधरी, एवं चारों सदनों के कप्तानों ने पंडित जवाहर लाल नेहरू की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित किया। पुनः शिक्षकों के द्वारा गीत, नृत्य, हास्य कविता, खेल, नाटक, जोक आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर बच्चों का मन मोहने का प्रयास किया गया। कमांडेंट एवं प्राचार्य कमान्डर (डॉ0) अशोक कुमार शर्मा ने बाल-दिवस के अवसर पर बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जवाहर लाल नेहरू का मानना था कि जितनी देर जियो, गुलाब की तरह मुस्कराते हुए जियो। अपने अच्छे कामों की महक बिखेरते हुए जियो। वहीं सीईओ प्रकाश गुप्ता ने कहा कि आज के बच्चे कल के देश निर्माता हैं। मंच संचालन व धन्यवाद ज्ञापन फारिया सबा के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक सोनु पांडेय, विक्की सिंह, अमन गुप्ता, निखिल सिन्हा, सिक्की, बिरेन्द्र कुमार, शेखर दुबे, विजय कुमार सिंह सहित सीसीए संयोजक आर0 आर0 सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

एस वी सेन्ट्रल में बाल दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

कोडरमा। चाराडीह में एस वी सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल में बाल दिवस के शुभ अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम सगोष्ठी आयोजित कर बच्चों को बाल दिवस की महत्ता के बारे में बताते हुए निदेशक अनिल कुमार ने कहा कि देशभर के छोटे छोटे बच्चे ने आज विभिन्न क्षेत्रों में अपना हुनर के बदौलत कृतिमान हासिल कर रहा है। छोटे छोटे बच्चे विज्ञान व टेक्नोलॉजी के क्षेत्र हो या अभिनय व साहसिक क्षेत्र हो, हर जगह ये बच्चे अपने कार्य से दुनिया को मोहने का काम रहे है। इसलिए आपसभी को इन बच्चों के कार्यों से प्रभावित होकर आज बाल दिवस के दिन महापुरुषों के आदर्शों पर चलते हुए उन सफल बच्चो के तरह कृतिमान हासिल

बेरमो कोयलांचल में धूमधाम से मना बाल दिवस

बेरमो। बच्चे की मुस्कान राष्ट्र की शान बच्चो की खुशहाली ही राष्ट्र समाज की तरक्की का आधार है इस विचार धारा के साथ भारत के प्रथम प्रधान मंत्री पंथ जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिवस को बाल दिवस के रूप में मनाये जाने की परम्परा के तहत पूरे बेरमो कोयलांचल के गोमिया, कथारा, फुसरो, ,चंद्रपुरा मे बच्चो से अतिशय लगाव रखने वाले भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं 0 जवाहर



करना है। जिसके उपरांत बच्चो के बीच अन्तरसदनीय व कक्षावर कई प्रकार के खेल कूद करवाया गया। जिसके परिणामस्वरूप खो खो में अब्दुल कलाम हाउस, कबड्डी व फुटबॉल में विवेकानंद हाउस, लड़कियो के खो खो में उदीसा ग्रुप, जूनियर 100 मीटर रেস में आनंद यादव प्रथम स्थान, संजय यादव द्वीतीय स्थान व राजकुमार कोन का अहम हासिल किया। सभी विजेता

खिलाडियों को प्राचार्य राधेश्याम पंडित व निदेशिका खुशबू गुप्ता ने मेडल व ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में खेल शिक्षक राहत अली व शिक्षक उत्तम कुमार का अहम योगदन रहा। मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक - शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

बच्चे खास हैं और उनके बेहतर भविष्य के लिए मूल आवश्यकताओं रोटी , कपडा और मकान, स्वास्थ्य शिक्षा, पढाई लिखाई का बन्दोबस्त किया जाना बेहद जरूरी है। तभी बाल दिवस मनाये जाने की सार्थकता साबित होगी।मौके पर मनोज कुमार सिंह, अजय कुंवर, अलका सिन्हा, आभा टोप्पो, रोबिन सोरेन प्रशांत उर्फ सनी सिंह इत्यादि लोग मौजूद थे।

बोकारो। मतदाताओं को जागृत व आसन्न विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे स्वीप कार्यक्रम के तहत आगे के कार्यक्रम तय करने और उसके कार्यान्वयन की रणनीति तय करने हेतु उप विभास आयुक्त रवि रंजन मिश्रा ने स्वीप कोषांग के सदस्यों के साथ आयोजित बैठक के दौरान विचार विमर्श करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

स्वीप कार्यक्रम का कैलेंडर तैयार करने का निर्देश

बैठक के दौरान उपस्थित स्वीप कोषांग के वरीय पदाधिकारी को निर्देश देते हुए उप विकास आयुक्त श्री मिश्रा ने कहा कि 15.11.2019 से दिनांक 08.12.2019 तक जिला प्रशासन द्वारा स्वीप कार्यक्रम चलाया जाएगा जिसके हेतु प्रत्येक दिन का कैलेंडर तैयार कर लें। प्रत्येक दिन किसी न किसी प्रकार का जागरूकता कार्यक्रम चलाकर जिले वासियों को आसन्न विधानसभा चुनाव में मतदान करने हेतु जागरुक व प्रेरित किया जाएगा।

15 नवंबर को कैंडल मार्च का आयोजन निर्धारित है

स्वीप कार्यक्रम के तहत झारखंड राज्य की स्थापना दिवस 15

शिक्षा विभाग के द्वारा घोर लापरवाही बरती जा रही है : मोदी

कोडरमा। झारखंड राज्य पेंशन समाज की बैठक जिला अध्यक्ष नारायण मोदी के अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि योजना सह वित्त विभाग झारखंड सरकार द्वारा 1.1.16 के पूर्व सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मियों का पेंशन पुनरीक्षण का आदेश निर्गत है, जिले की विभिन्न कार्यालयों के प्रधानों द्वारा आदेशानुसार ऑनलाइन कर महालेखाकार रांची झारखंड को भेज दिया गया है। वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक कोडरमा एवं उनके अधीनस्थ विभिन्न प्रखंडों के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के द्वारा घोर लापरवाही बरती जा रही है, इसके लिए जिले के सेवानिवृत्त शिक्षकों में काफी रोष है। अतः पुनः जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक से मांग की जा रही है कि इस संबंध में कार्रवाई की जाए। आगामी दिसंबर माह की मासिक बैठक विशेष परिस्थिति में 4 दिसंबर को आहूत की गई है। अंत में सेवानिवृत्त शिक्षक जनार्दन प्रसाद के आकस्मिक निधन पर उनकी आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस बैठक में बलदेव मोदी नारायण से महेश प्रसाद सहदेव प्रसाद, मंसूर आलम, सीता सुंदरी, सीताराम, द्रौपदी देवी, रामखेलावन प्रसाद, वैद्यनाथ पांडे, द्वारका प्रसाद सिंह, मदन मोहन ओझा, बबुन राम, मोती देवी, चंद्रिका प्रसाद आदि उपस्थित हुए।

बाल दिवस पर आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रम

पचम्बा प्रतिनिधि /गिरिडीह। बाल दिवस के अवसर पर शारदा कन्या मध्य विद्यालय पचम्बा में एक कार्यक्रम आयोजित कर प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्यअतिथि क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी गिरिडीह विद्यासागर मेहता एवं विशिष्ट अतिथि संकुल साधन सेवी घनश्याम वर्मा प्रधानाध्यापक अशोक कुमार मिश्र एवं शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा किया गया। बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। बाल संसद एवं विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा अनुशासन रखरखाव स्वच्छता पठन-पाठन पर्यावरण बागवानी वाद विवाद आदि कार्यों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले छात्र छात्राओं को काँपी पेन देकर अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। अतिथि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा के बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के द्वारा जो कार्य किया गया यह बहुत ही सहानीय है।

बालाजी पब्लिक स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया

बच्चे देश के भविष्य है : शिवनन्दन शर्मा

कोडरमा। झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में बाल दिवस के अवसर पर कोडरमा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में कोडरमा दुधीमाटी स्थित बालाजी पब्लिक स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोडरमा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैनल अधिवक्ता शिवनन्दन कुमार शर्मा ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि मौलिक अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों के बीच सामंजस्य स्थापित करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रधान सहायक रणजीत कुमार सिंह ने बच्चों को बाल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि बच्चे देश के भविष्य है। अतः वे कानूनी रूप से जागरूक होकर अपने आस-पास के लोगों को अपराधिक घटनाओं से दूर रहने की सलाह दें, ताकि अपराध मुक्त समाज



का निर्माण हो सके छ उन्होंने बच्चों को मन लगा कर पढ़ने एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए देश की सेवा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की नसीहत दी छ उन्होंने कहा कि यदि किसी के साथ कोई घटना घटित होती है तो जहाँ एक ओर दोषी व्यक्ति को न्यायालय द्वारा सजा दी जाती है, वहीं दूसरी ओर पीड़ित व्यक्ति को सरकार द्वारा मुआवजा दिए जाने का प्रावधान पीड़ित मुआवजा अधिनियम के तहत किया गया है। प्राधिकार की रिटेनर अधिवक्ता रीना कुमारी शर्मा ने किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण

समिति, चाइल्ड हेल्पलाइन, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, शिक्षा का अधिकार अधिनियम, बाल श्रम अधिनियम, ट्राफिक रूल्स, सहित अन्य कई कानूनों के बारे में काफ़ी विस्तार से प्रकाश डाला। शिविर को संबोधित करते हुए बालाजी पब्लिक स्कूल के निदेशक रविकान्त तिवारी ने कहा कि दहेज लेना और दहेज देना दोनों कानूनन जुर्म है। दहेज के लिए प्रताड़ित करने वालों के विरुद्ध कठोर दण्ड के प्रावधान है छ उन्होंने कहा कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को

खतरनाक कामों में नहीं लगाया जा सकता है। तिवारी ने अन्य कई नैतिक तथ्यों के बारे में भी विस्तार पूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए रविकान्त तिवारी अपने विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला छ स्वागत भाषण करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापिका मिली पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर पी. एल. वी. पाण्डेय शेखर प्रसाद, शिक्षिका प्रतिमा कुमारी, अंजली कुमारी, अनुराधा कुमारी, संजना कुमारी, प्रीति कुमारी, प्रिया कुमारी, रचना कुमारी, राशी कुमारी, सुप्रिया कुमारी, सुमन कुमारी, खुशबु कुमारी, शिम्वी कुमारी, रौशन कुमार, अंशु कुमार, आयुष कुमार, तरुण कुमार, साकेत कुमार, अमीत कुमार, आशीष कुमार एवं आर्यहंश कुमार सहित सैकड़ो छात्र-छात्राएं मौजूद थीं।

उप विकास आयुक्त ने स्वीप कोषांग के सदस्यों के साथ की बैठक

नवंबर को संख्या 05:30 बजे

बोकारो के सेक्टर 09 स्थित वैशाली मोड से सेक्टर 0९ स्थित पटेल चैक तक जिला प्रशासन के सभी पदाधिकारियों, कर्मियों पुलिस के जवानों सहित समाज के बुद्धिजीवी वर्ग के लोग कैंडल मार्च आयोजित करेंगे। कैंडल मार्च को आयोजित करने का मूल कारण लोगों के बीच चुनौती ज्ञान व जागरूकता के प्रकाश को फैलाना है, ताकि इस विधानसभा चुनाव में बोकारो वासियों वह खास कारणों के शहरी क्षेत्र के मतदाताओं के द्वारा शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराया जा सके।

21 तारीख को सभी ग्रामों में ग्राम सभा का आयोजन होगा

स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी -सह- उप विकास आयुक्त रवि रंजन मिश्रा ने निर्देश देते हुए 21 नवंबर को सभी ग्रामों में ग्राम सभा का आयोजन करने का निर्देश दिया है। ग्राम सभा के दौरान ग्रामीणों को उनके मत के महत्ता को समझाया जाएगा। साथ ही आसन्न विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का उचित प्रयोग करने के लिए प्रेरित भी किया जाएगा।

22 नवंबर को ग्रामों में जे.एस.एल.पी.एस. के केंद्रों पर

गाए। पिछले दो मैचों में उनकी किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। नहीं तो वो तीन टी 20 मैचों में लगातार हैट्रिक विकेट लेने का कमाल कर लेते। वैसे इस मैच में यूपी ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 164 रन बनाए थे। राजस्थान को जीत के लिए 165 रन का लक्ष्य मिला था। जिसे इस टीम ने 17.2 ओवर में पांच विकेट पर हासिल कर लिया और पांच विकेट से ये मैच जीत लिया।

चला गया गणित का हीरा

पटना। प्रख्यात गणितज्ञ वशिष्ठ नारायण सिंह नहीं रहे। गणित का सह हीरा गुरुवार की सुबह चला गया। जिन्होंने आइआइटी से लेकर अमेरिका के बर्कले विश्वविद्यालय तक बिहार का नाम रोशन किया, आइंस्टीन के सापेक्षता सिद्धांत को चुनौती दी, उन्हें बिहार रत्न सम्मान तक नहीं मिल सका। स्वजनों को इसका मलाल है।

भाई को मलाल : जिंदा रहते नहीं मिला कोई सम्मान

बीते महीने अक्टूबर में जब वशिष्ठ बाबू बीमार पड़े तो तभी रू?वजनों ने इच्छा जताई थी कि उनके जीवकाल में सम्मान मिल जाता, तो अच्छा लगता। उनके छोटे भाई अयोध्या सिंह ने कहा था- वशिष्ठ बाबू का इतना नाम है। पटना विश्वविद्यालय से लेकर अमेरिका के बर्कले विश्वविद्यालय तक चर्चा में रहे। आइआइटी में पढ़ाया। गणित की थ्योरी को लेकर दुनिया भर में चर्चा में रहे मगर बिहार के लाल को यहां के लोग ही भूल चुके हैं। आज तक एक भी सम्मान नहीं मिला। बिहार रत्न तक देना किसी ने जरूरी नहीं समझा। इस बार पद्मश्री के लिए कई संस्थाओं ने नाम प्रस्तावित किया



पटना के अशोक राजपथ स्थित अपार्टमेंट में ही चकर खाकर गिर पड़े थे। आनन-फानन में पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) में भर्ती कराया गया। लगभग एक सप्ताह तक भर्ती रहे मगर कोई मंत्री-विधायक मिलने नहीं पहुंचा था।

दवाओं के सेवन से किडनी पर पड़ा असर

राकेश कुमार बताते हैं कि तब पीएमसीएच में डॉक्टरों ने बताया कि सोडियम और पोटैशियम कम होने से वशिष्ठ बाबू को चक्रर आ गया था। कुछ जांच भी कराई गई।

एक किडनी पर दवाओं के अत्यधिक सेवन का असर पड़ने की बात डॉक्टरों ने कही। एमआरआइ जांच भी कराई गई, जिसमें सिर के अंदरूनी भाग में गांठ की तरह हल्की चोट का भी पता चला।

नेतरहाट के पूर्ववर्ती छात्र करते रहे मदद

अयोध्या सिंह कहते हैं, वशिष्ठ बाबू को सबसे ज्यादा सहयोग नेतरहाट ओल्ड ब्वांयज एसोसिएशन (नोबा) के सदस्यों ने की।

गणितज्ञ के निधन पर सामने आई लापरवाही

पटना। जिस महान गणितज्ञ वशिष्ठ नारायण सिंह ने कभी आइंस्टीन के सिद्धांत को चुनौती दी थी, उनका आज पटना में निधन हो गया। वे 40 साल से मानसिक बीमारी सिजोफ्रेनिया से पीड़ित थे। उन्होंने पटना मेडिकल कॉलेज व अस्पताल (पीएमसीएच) में दम तोड़ा। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ भोजपुर स्थित उनके पैतृक गांव में होगा।

कई परेशानियों का किया सामना

वशिष्ठ नारायण सिंह साल 1974 में मानसिक बीमारी के कारण कांके के मानसिक रोग अस्पताल में भर्ती किए गए थे। बाद में 1989 में वे गढ़वारा (खंडवा) स्टेशन से लापता हो गए। फिर, सात फरवरी 1993 को छपरा के डोरीगंज (छपरा) में एक झोपड़ीनुमा होटल के बाहर प्लेट साफ करते मिले। बीते साल अक्टूबर में उन्हें पीएमसीएच के आइसीयू में भर्ती कराया गया। आज फिर तबीयत बिगड़ने पर उन्हें पीएमसीएच लाया गया था।

अस्पताल के बाहर घंटों पड़ा रहा शव

वशिष्ठ नारायण सिंह की मौत के बाद उनके पार्थिव शरीर को



अस्पताल परिसर में बाहर ब?लड बैंक के पास रखवा दिया गया था।

वहां शोकाकुल रू?वजनों की मदद को ले पीएमसीएच प्रशासन लापरवाह बना रहा। अस्?पताल प्रबंधन ने शव ले जाने के लिए एंबुलेंस या शव वाहन तक मुहैया नहीं कराया। पार्थिव शरीर उनके पैतृक आवास पहुंचाने के लिए अस्पताल में मौजूद दलाल छह हजार रुपये की मांग कर रहे थे। वशिष्ठ बाबू का शव घंटों वहीं पड़ा रहा। उनके निधन की खबर मिलते ही मीडिया पहुंची। मीडिया के माध्यम से जब अस्पताल प्रबंधन की संवेदनहीनता उजागर की गई तो उसके साथ जिला प्रशासन भी हरकत में आया।

जिलाधिकारी के हस्तक्षेप पर स्वजनों को एंबुलेंस मुहैया कराई गई। अस्पताल से प्रबंधन का लापरवाही से इनकार किया गया था। लेकिन, जब उनके स्वजनों ने अस्पताल द्वारा जारी मृत्यु प्रमाणपत्र दिखाया तो अस्पताल प्रशासन ने चुप्पी साध ली। हालांकि, अस्पताल प्रबंधन ने लापरवाही के आरोपों से इनकार किया है।

वशिष्ठ नारायण सिंह के निधन से भोजपुर जिला मुख्यालय स्थित प्रंखंड के बसंतपुर गांव स्थित उनके पैतृक घर पर शोक का माहौल है। स्वजन व ग्रामीण वहां शव के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। शव को उनके पटना स्थित

आवास से वहां ले जाया जाएगा, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार होगा। इसके लिए राज्य सरकार ने विशेष पत्र जारी किया है।

वशिष्ठ नारायण सिंह के निधन पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक जताते हुए उन्हें महान विभूति बताया। नीतीश कुमार ने कहा कि वशिष्ठ बाबू ने अपने साथ बिहार का नाम रोशन किया है। बिहार के प्रति निष्ठावान व्यक्ति थे वशिष्ठ बाबू। उनके निधन को पूर्व मुख्यमंत्री जीवन राम माझी ने समाज की अपूरणीय क्षति बताया है।

बता दें कि तकरीबन 40 साल से मानसिक बीमारी सिजोफ्रेनिया से पीड़ित महान गणितज्ञ वशिष्ठ नारायण सिंह पटना के एक अपार्टमेंट में गुमनामी का जीवन बिता रहे थे। मौत से कुछ दिनों पहले तक भी किताब, कॉपी और एक पेंसिल उनके सबसे अच्छेदोस्त रहे। कहा जाता है कि अमरीका से वह अपने साथ 10 बक्से किताबें लाए थे, जिन्हें वे पढ़ते रहते थे। बाकी किसी छोटे बच्चे की तरह ही उनके लिए तीन-चार दिन में एक बार कॉपी-पेंसिल लानी पड़ती थी।

माय समीकरण के ठप्पे से बाहर निकलेगा आरजेडी पार्टी ने एससी-एसटी-ओबीसी के लिए लिए उठाया बड़ा कदम

पटना। राजद संगठन में एससी-एसटी एवं ओबीसी बर्ग के लिए 45 फीसद पदों को आरक्षित कर दिया गया है। शेष 55 फीसद पद अनाश्रित रहेंगे, जिसमें सभी वर्गों का समायोजन होगा। रोस्टर के हिसाब से इसे हर बार बदला जाएगा। राजद में इसे लालू-राबड़ी राज के मुस्लिम-यादव (माय) समीकरण के साये से बाहर निकलने का प्रयास माना जा रहा है। रणनीतिकारों का मानना है कि इस समीकरण के चलते राजद के प्रति अन्य वर्गों का आकर्षण कम होता जा रहा है।

बैठक में दी गई मंजूरी राजद के सांगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया की समीक्षा के लिए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सरकारी आवास में बुलाई गई बैठक में राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। संचालन प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामचंद्र पूर्वे ने किया। बैठक में राजद के



विधायकों, विधान पार्श्वों, जिला निर्वाचन पदाधिकारियों, सहायक जिला निर्वाचन पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों ने शिरकत की, जिसकी अध्यक्षता राजद के राज्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. तनवीर हसन ने की। इस दौरान राजद के राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी जगदानंद सिंह, सहायक राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी चितरंजन गगन, मदन शर्मा, निराला यादव, डॉ. प्रेम कुमार गुप्ता, निर्भय

अंबेदकर, उदय नारायण चौधरी, सलीम परेवज, कांति सिंह, अशोक कुमार सिंह, शिवचंद्र राम, इंद्रदेव प्रसाद, विनोद यादव एवं रामनारायण मंडल उपस्थित थे। 15 नवंबर को प्रदेश अध्यक्ष एवं 20 दिसंबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कराना है। इसलिए आरक्षित प्रखंडों का रोस्टर संबंधित जिलों को सौंप दिया गया है। आरक्षित पंचायत अध्यक्षों के चयन का जिम्मा जिलों को दिया गया है।

मैंने इस्तीफा क्यों दिया... कश्मीर मुद्दे पर विपक्ष चुप था, इसलिए बोलना पड़ा : गोपीनाथ

भागलपुर। जम्मू-कश्मीर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला का आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा देने वाले आइएएस अधिकारी कन्नन गोपीनाथ ने कहा कि विपक्ष भी चुप था, इसलिए उन जैसे लोगों को आगे आना पड़ा। कन्नन अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद कश्मीर में लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता छीने जाने का आरोप मढ़कर चर्चा में आए थे। वे केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली में तैनात थे। क्या एक आइएएस अधिकारी को व्यवस्था द्वारा निहित दायरे में नहीं रहना चाहिए, इस सवाल पर कहा कि जब हर तरफ मौन हो तो सच के साथ खड़ा होना देशद्रोह नहीं है। आखिर यह चिंता इसी समय क्यों, पहले क्यों नहीं? इस सवाल पर कहा कि कोई भी सरकार हो पूछने का अधिकार होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मैं हिंदू हूं, उच्च जाति का हूं, आइएएस हूं, पुरुष हूं तो बोलने का विशेषाधिकार है। यह तो सभी के लिए है, इस सवाल पर कहा कि परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। उन्होंने कहा कि 23 अगस्त को पद से इस्तीफा देने के बाद सरकार ने अभी तक स्वीकार नहीं किया,



बल्कि विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी। उन्हें इसका अंदेश था। कुछ लोगों ने उन पर देशद्रोही होने तक का आरोप लगाया। फीडब ऑफ एक्सप्रेशन और राइट टू डिसेंट की लड़ाई आने वाले भविष्य के लिए जरूरी है। मुझे बोलने की जरूरत इसलिए पड़ी कि जिनके जिम्मे बोलने का काम था वे चुप हैं। क्या वे चुनाव लड़ने का इरादा रखते हैं, इस पर कहा कि प्रस्ताव जरूर मिला था, लेकिन ऐसा कोई विचार नहीं है।

कन्नन ने इससे पहले राष्ट्र सेवा दल, पीस सेंटर और लोक चेतना की ओर मुस्लिम माइनॉरिटी कॉलेज में मैंने इस्तीफा क्यों दिया कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने

अभिव्यक्ति को आजादी और असहमति के अधिकार पर बोलते हुए कहा कि एनआरसी सांप्रदायिक मुद्दा है। लोकतंत्र में सरकार को नहीं, जनता को सवाल पूछने का हक है। सरकार को ये हक किसने दिया कि वह जनता से पूछे कि आप असली नागरिक हैं कि नहीं। गरीबों, दलितों के पास पचास साल पुराना रिकॉर्ड कहा से मिलेगा। इसके अलावा वरिष्ठ नाटककार राजेश कुमार, डॉ रिजवाना , दिवाकर घोष,हबीब मुशीर्दा, इम्तियाजुर रहमान, पेनुल होदा, संजीव कुमार दीपू, रिजवान खान और डॉ सलाउद्दीन मौजुद थे।



मेरी तरफ से भी होता था कि कैसे इस रोड का निर्माण हो। सांसद के प्रयास से अब सार्थक हुआ है। उन्होंने बताया कि फिलहाल इस सड़क का निर्माण विशुनपुरा स्थित रेलवे ओवरब्रिज से डोरीगंज तक कराया जाना है। इसकी लंबाई मात्र दो किलोमीटर है। इसके लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से मधुकांन कंपनी को चार करोड़

रुपये का आवंटन प्राप्त हुआ है। सूत्रों ने बताया कि इस समारोह में सांसद रूडी को भी शामिल होना था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से वह यहां नहीं पहुंच सके। पूर्व मुखिया सत्येंद्र सिंह की अध्यक्षता एवं धर्मेन्द्र सिंह के संचालन में पूर्व विधायक ज्ञानचंद मांझी, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह,

एबीआरए फाउंडेशन स्कूल में वार्षिक खेलकूद महोत्सव प्रारंभ



रोहतास। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी रूचि लेनी चाहिए। यही एक ऐसी विधा है, जो कई बीमारियों का इलाज भी है। उक्त बातें बुधवार को स्थानीय एबीआर फाउंडेशन स्कूल में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद महोत्सव में सदर एएसपी हृदयकांत ने कही। इस दौरान छात्रों ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया। शुभारंभ एएसपी तथा विद्यालय के सचिव पृथ्वीपाल सिंह ने संयुक्त रूप से मशाल प्रज्वलित कर किया। नालंदा, तक्षशिला, सारनाथ व वैशाली हाउस से जु? छात्रों ने गाँव आफ आनर दिया।

एएसपी ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य होते हैं। हमें निरंतर सुधार लाने का प्रयास करना चाहिए। प्रयास से ही अपने जीवन में सफल व सार्थक बन सकते हैं। सचिव ने कहा कि खेल जीवन जीने की कला व चरित्र निर्माण का आधार है। खेल का मुख्य उद्देश्य बच्चों का मानसिक हढ़ता व शारीरिक स्वास्थ्य को परख कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। सचिव पृथ्वीपाल सिंह ने कहा कि पहले दिन खेल की विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें अंडर 12 के 100 मी. की दौड़ में सिद्धार्थ व शिवानी, 200 मी. में सिद्धार्थ, कहैया व आकृति, 400 मी. रिले दौड़ में मनीषा, अदा, शिवानी, श्रेया, लंबी कूद को शिवानी व शिवम तथा शॉटपुट में सोनी ने सफलता हासिल की। वहीं अंडर 14 में 100 मी. जयंत व प्रिया कुमारी, 200 मी. में लवकुश व सुहानी, ऊंची कूद में सोमन, लंबी कूद में शुभम, 400 मी. रिले दौड़ में हर्षित निक्की, शॉटपुट में राहुल व रिचा तथा 800 मी. में विष्णु ने सफलता हासिल की। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों को विद्यालय के प्रबंधक अनुपमा सिंह ने उत्साहवर्द्धन किया। कहा कि छात्रों के विकास में खेल का महत्वपूर्ण स्थान है। खेलकूद छात्रों को स्वास्थ्य के साथ मरिक्ताक स्वस्थ रखने के लिए भी आवश्यक है।

एक गिरफ्तार

छपरा। पेट्रोल पंप संचालक अमित खन्ना को लूटपाट के प्रयास में गोली मारने के मामले में पुलिस ने एक और अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। इसी युवक ने अपराधियों को अपनी बाइक दी थी, जिसे स्थानीय लोगों ने घटना के बाद फूंक दिया था। पकड़ा गया आरोपित मढ़ौरा थाना क्षेत्र के चांदमारी निवासी वीरा राय का पुत्र मुन्ना कुमार है। पुलिस ने नाटकीय ढंग से उसे नगर थाना क्षेत्र के छपरा कचहरी स्टेशन के पास से दबोच लिया। मुन्ना की बाइक से पहुंचे अपराधियों ने घटना के बाद उसी पल्सर बाइक से भागने का प्रयास किया। लेकिन दो अपराधी पकड़ लिए गए। एक भागने में कामयाब रहा। इस दौरान गुस्साए लोगों ने इस बाइक में आग लगा दी। जांच में यह बात सामने आई कि बाइक मुन्ना कुमार की है। लाइन्स रंजन कुमार ने मुन्ना की बाइक अपराधियों को उपलब्ध कराई थी। तब से पुलिस मुन्ना को गिरफ्तार करने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी कर रही थी। पृछ्ताछ में मुन्ना राय ने स्वीकार किया कि उससे मांग कर बाइक लाई गई थी। बाद में उसे पता चला कि उसकी बाइक पकड़ी गई है, उसी का पता लगाने के लिए वह छपरा आया था। इसी दौरान छपरा कचहरी स्टेशन के पास पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

हरे राम हरे कृष्ण प्रिंटेड टॉप पहनने से वाणी कपूर पर भड़के यूजर्स

हाल में रिलीज हुई फिल्म वॉर की एक्ट्रेस वाणी कपूर इन दिनों एक निगेटिव खबर की वजह से चर्चा में हैं। वह अपने ड्रेसिंग सेंस को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रही हैं। सोशल मीडिया यूजर्स उनके कपड़े को लेकर अजीबों-गरीब ट्वीट और पोस्ट कर एक्ट्रेस पर अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। यूजर्स के गुस्से की शिकार हुई वाणी कपूर पर लोग धार्मिक भावना आहत करने का भी आरोप लगा रहे हैं। लोगों को नाराजगी को देखते हुए एक्ट्रेस ने आखिरकार अपनी ये तस्वीर सोशल मीडिया से डिलीट कर दिया है हालांकि उनकी फोटो तक तक वायरल हो चुकी थी।

दरअसल वाणी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर किया था जिसमें उन्होंने फंटेड नॉट क्रॉप टॉप पहना था। यूं तो इस लुक में वह काफी खूबसूरत लग रही थीं लेकिन उस टॉप पर भगवान राम का नाम लिखा हुआ था। उनके इस टॉप पर गुलाबी रंग से हरे राम हरे कृष्ण प्रिंटेड था। यूजर्स ने जैसे ही भगवान राम का नाम देखा उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। वाणी के इस टॉप पर हरे राम हरे कृष्ण लिखा हुआ था। लेकिन टॉप हॉट होने की वजह से लोगों को ये रास नहीं आया।

आखिरकार वाणी को अपनी ये तस्वीर सोशल मीडिया से हटानी पड़ी लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। यूजर्स ने उनपर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया। एक यूजर ने लिखा- हम इसका विरोध करते हैं ! यह फोटो हमारे धार्मिक भावनाओं को आहत करता है। यूजर ने इस कमेंट में मुंबई पुलिस को भी टैग करते हुए कहा- कृपया संज्ञान लें और उचित कार्यवाही करें। एक अन्य यूजर ने लिखा- ये सब दिखाकर वाणी अपना और अपने खानदान का व्यवसाय आगे बढ़ा रही हैं लेकिन जो वस्त्र पहनकर उन्होंने ऐसा किया है मैं उसके खिलाफ हूँ।



भूल भुलैया 2 में हुई तब्बू की एंट्री, कार्तिक आर्यन ने खास अंदाज किया एक्ट्रेस का स्वागत

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की फिल्म ‘भूल भुलैया 2’ की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस फिल्म की घोषणा से लेकर फैस इसे लेकर बेहद एक्साइटेट हैं। अब कार्तिक-कियारा के बाद इस फिल्म में एक और बेहतरीन स्टार की एंट्री हो गई है।

इस बात की जानकारी कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट से दी है। कार्तिक के पोस्ट के अनुसार, ‘भूल भुलैया 2’ में बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू की एंट्री हुई है। इस फिल्म में वह अहम रोल में नजर आने वाली हैं।

कार्तिक आर्यन ने तब्बू की एक फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि भूल भुलैया 2 की दुनिया में तब्बू मैम का स्वागत है। वहीं मुंबई मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक तब्बू ने फिल्म के लिए हां कर दी है।

फिल्म निर्माताओं का कहना है कि उन्हें अपना रोल और स्क्रिप्ट पसंद आया। तब्बू जनवरी में फिल्म के कास्ट एंड कु को ज्वाइन करेंगी। रिपोर्ट के अनुसार, तब्बू का रोल भी फिल्म में काफी अहम होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में तब्बू फिल्म की कास्ट को ज्वाइन करेंगी।

डेंगू की चपेट में आए सुशांत सिंह राजपूत, डॉक्टरों ने करवाया ट्रिप कैंसल

साजिद नाडियाडवाला की फिल्म छिछोरे के बाद ऐक्टर सुशांत सिंह अपने 50 विश लिस्ट की वजह से चर्चा में आए रहे। उनके इस 50 विश में से प्लेन चलाने से लेकर पैरिस के डिजनीलैंड तक की घूमने का जिक्र था और अपनी इन इच्छाओं को उन्होंने पूरा भी किया। हालांकि, अब सुशांत डेंगू की चपेट में आ गए हैं।

बताया गया है कि सुशांत पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे और टेस्ट करवाने पर पता चला कि वह डेंगू की चपेट में हैं। बीमारी के बाद उन्होंने अपने काम कमिटमेंट्स को रीशेड्यूल किया है। इस वीक सुशांत सिंह को किसी इवेंट में शामिल होने के लिए अबू धाबी पहुंचना था, लेकिन डॉक्टर ने उन्हें न जाने की सलाह दी और उन्हें आराम करने को कहा है।

इससे पहले श्रद्धा कपूर, धर्मेन्द्र, टीवी ऐक्टर मोहसिन खान, कमिडियन भारती सिंह जैसे कई स्टार्स डेंगू की वजह से बीमार पड़े थे। इन दिनों सुशांत सिंह राजपूत अपनी कथित



ठकरे 2 की स्क्रिप्ट पर काम शुरू : नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शिव सेना प्रमुख बाला साहब की बायोपिक ठकरे में उनकी भूमिका निभाई थी। अब फिल्म के पार्ट 2 यानी ठकरे 2 पर काम शुरू हो गया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने ठकरे 2 की स्क्रिप्टिंग का काम शुरू हो गया है, जैसे ही लिखाई का काम पूरा हो जाएगा, वह शूटिंग से पहले की जाने वाली वर्कशॉप शुरू कर देंगे।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शिव सेना प्रमुख बाला साहब की बायोपिक ठकरे में उनकी भूमिका निभाई थी। अब फिल्म के पार्ट 2 यानी ठकरे 2 पर काम शुरू हो गया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने ठकरे 2 की स्क्रिप्टिंग का काम शुरू हो गया है, जैसे ही लिखाई का काम पूरा हो जाएगा, वह शूटिंग से पहले की जाने वाली वर्कशॉप शुरू कर देंगे।



सलमान खान की फिल्म दबंग 3 का गाना हुड़ हुड़ दबंग रिलीज़



सलमान खान की फिल्म दबंग 3 का सबसे मजेदार और पॉप्युलर गाना हुड़ हुड़ जारी हो चुका है। यह गाना सलमान के फैस को खूब पसंद आ रहा है। इससे पहले इस फिल्म के कुछ और गाने आ चुके हैं, जिसमें %मुन्ना बदनाम हुआ और आवारा जैसे सॉन्ग शामिल हैं। दबंग फ्रैंचाइजी के इस नए गाने में सलमान अपने बिल्कुल नए अवतार में नजर आ रहे हैं,

जिसमें एंटरटेनमेंट के साथ-साथ उनके कुछ सिग्नेचर स्टेप्स दर्शकों को खूब भा रहे हैं। हुड़ हुड़ दबंग के इस नए गाने के साथ सलमान अपना एक नया सिग्नेचर स्टेप्स अपने फैन्स के लिए लेकर आए हैं। फैन्स को इस टाइटल ट्रैक का बड़ी ही बेसब्री से इंतज़ार था। चूल्बुल पांडे ने अपने इस गाने को खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है।

Happy Anniversary DeepVeer: दूल्हा और दुल्हन बनकर तिरुपति पहुंचे दीपिका और रणवीर

बॉलिवुड की सबसे खूबसूरत जोड़ियों में से एक पद्मावत ऐक्टर्स रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण अपनी शादी की पहली सालगिरह का जश्न मना रहे हैं। हमने आपको पहले ही बताया था कि इस खास मौके पर दीपिका और रणवीर अपने परिवार के साथ तिरुपति में आशीर्वाद लेने के लिए जाएंगे और ऐसा ही हुआ। अपने इस खास दिन की शुरुआत उन्होंने इस पवित्र स्थल से की। दोनों



अपने परिवार वालों के साथ तिरुपति मंदिर जाकर ईश्वर का आशीर्वाद लिया। यहां पेश हैं तिरुपति मंदिर पहुंचे इस कपल की कुछ तस्वीरें, जो इस समय इंटरनेट

की सुर्खियों में हैं। दोनों की कोई शानदार तस्वीरें सामने आ रही हैं, जिनमें दोनों काफी जंच रहे हैं। तिरुपति मंदिर में पहुंचे रणवीर और दीपिका किसी नई शादीशुदा जोड़ी की तरह दिख रहे हैं। रेड हेवी साड़ी और जूल्मी में दीपिका एक बार फिर दुल्हन सी सजी थीं और रणवीर भी गोल्डन शेरवानी में काफी जंच रहे थे। इन सबके साथ सबसे आकर्षक लग रहा है दीपिका की मांग में भरा लाल सिंदूर।

Children's Day 2019: बचपन की यादें ताजा करती हैं ये पांच फिल्में

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की याद में बाल दिवस मनाया जाता है। वैसे इस दिन को बॉलीवुड में भी काफी खास माना जाता है और ऐसी कई सुपरहिट फिल्में बनाई गई हैं जिनको देखकर बच्चों को न सिर्फ मजा आया बल्कि एक मैसेज भी। वहीं बच्चों के साथ ही साथ बड़े लोगों ने भी इन फिल्मों को काफी पसंद किया। ऐसे में आज के खास दिन पर आपको बताते हैं ऐसी पांच हिट फिल्मों के बारे में जिसे देख आपको भी अपना बचपन याद आ जाएगा।

चिल्लर पार्टी

चिल्लर पार्टी में बच्चों की पूरी गैंग दिखाई गई है। फिल्म में बच्चे भरपूर मस्ती और शरारत करते दिखाते हैं। फिल्म में बच्चों



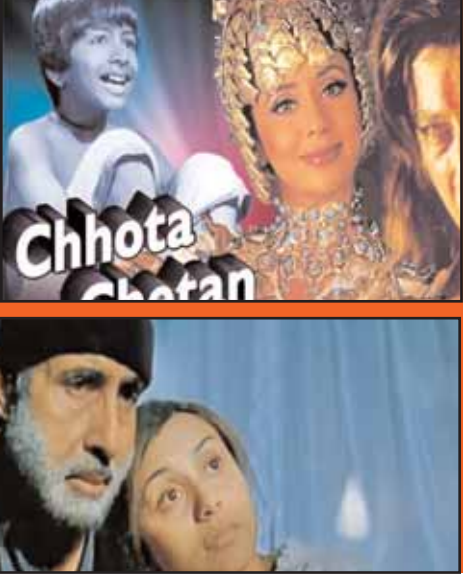
पसंद करता है।

मिस्टर इंडिया

1987 में रिलीज हुई फिल्म



मिस्टर इंडिया आज भी लोग देखा पसंद करते हैं। फिल्म में अनिल कपूर, श्रीदेवी सहित कई बाल कलाकार मुख्य किरदार में



बखूबी रूप से दिखाया गया है। वहीं गायब होने वाली घड़ी के चलते इस फिल्म ने उत्सुकता और बढ़ा दी थी।

छोटा चेतन

साल 1998 में फिल्म छोटा चेतन रिलीज हुई थी।

फिल्म की कहानी एक ऐसे बच्चे पर आधारित थी जिसे एक जादूगरनी ने अपनी शक्तियों से चोरी करने के इशारे से बनाया था।

लेकिन बाद में कहानी दूसरे दिवस लेती है। फिल्म को आज भी पसंद किया जाता है।

ब्लैक

2005 में रिलीज हुई फिल्म ब्लैक की शुरुआत एक ऐसी बच्ची से होती है जो सही से सुन और बोल नहीं सकती है। हालांकि फिल्म में बाद में किरदार को बड़ा करके राखी मुखर्जी नजर आती हैं।

वहीं अमिताभ ने भी फिल्म में अपने अभिनय से सभी का दिल जीता था। इस फिल्म को आज भी पसंद किया जाता है।

